संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, मंगलवार, 04 अप्रैल 2023 ₹ 1 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्ष: 14 अंक: 92 पृष्ठ: 08 | RNI : UTTHIN/2009/31653

actionindiaddn@gmail.com | उत्तराखण्ड संस्करण | दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को नई दिल्ली में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से शिष्टाचार भेंट की।

भ्रष्टाचारी को बख्शा नहीं जाना चाहिए: मोदी

न्याय व लोकतंत्र के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा है भ्रष्टाचार, सीबीआई के हीरक जयंती समारोह का उद्घाटन, भ्रष्टाचार के खिलाफ राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी नहीं: मोदी

भ्रष्टाचार बड़ी समस्या

= भ्रष्टाचारियों के खिलाफ बिना हिचकिचाहट के कार्रवाई करने को कहा, चाहे वह कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को भ्रष्टाचार को न्याय और लोकतंत्र के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा बताया और कहा कि मुख्य रूप से सीबीआई की जिम्मेदारी देश को भ्रष्टाचार से मुक्त करना है। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कहा कि आज देश में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति की कोई कमी नहीं है। उन्होंने अधिकारियों से भ्रष्टाचारियों के खिलाफ बिना किसी हिचकिचाहट के कार्रवाई करने को कहा, चाहे वह कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के हीरक जयंती समारोह का उद्घाटन किया। केंद्रीय जांच ब्यूरो की स्थापना 1 अप्रैल 1963 को गृह मंत्रालय, भारत सरकार के एक संकल्प द्वारा की गई थी। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा भ्रष्टाचार कोई सामान्य अपराध नहीं है, यह गरीबों के अधिकार छीनता है, यह कई अन्य अपराधों को जन्म देता है, भ्रष्टाचार न्याय और लोकतंत्र के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा है।' उन्होंने कहा कि सरकारी तंत्र में भ्रष्टाचार लोकतंत्र को बाधित करता है और सबसे पहले शिकार युवाओं के सपने होते हैं। भ्रष्टाचार भाई-भतीजावाद और एक वंशवादी व्यवस्था को बढ़ावा देता है जो देश की ताकत को कम करता है।

'भ्रष्टाचार ने बैंकिंग सिस्टम को बर्बाद किया'

पीएम मोदी ने कहा कि भ्रष्टाचार ने हमारी अर्थव्यवस्था के आधार यानी हमारे बैंकिंग सिस्टम को बर्बाद कर दिया था। बीते वर्षों में हम बहुत मेहनत करके अपने बैंकिंग सेक्टर को मुश्किलों से बाहर निकाल कर लाए हैं। आज हम इंटरनेट बैंकिंग की बात करते हैं, यूपीए रिकॉर्ड ट्रांजैक्शन की बात करते हैं।

'लाभार्थियों को लूटते थे भ्रष्टाचारी'

मोदी बोले कि पिछले कई दशकों से भ्रष्टाचारियों ने देश का खजाना लूटने का एक और तरीका बना रखा था। ये लोग सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को लूटते थे। आज जनधन, आधार, मोबाइल की ट्रिनिटी से हर लाभार्थी को उसका पूरा हक मिल रहा है। जैसे-जैसे भारत की आर्थिक शक्ति बढ़ रही है।

'राजनीतिक इच्छाशक्ति मजबूत'

पीएम मोदी ने कहा कि आज देश में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति में कोई कमी नहीं है। सीबीआई को कहीं भी हिचकने, कहीं रुकने की जरूरत नहीं है। इसलिए हमें क्राइम और करप्शन के मल्टी नेचर को समझना होगा और उसकी जड़ तक पहुंचना होगा।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री धामी ने प्रधानमंत्री को चारधाम यात्रा, आदि कैलाश और लोहाघाट स्थित मायावती आश्रम के लिए आमंत्रित किया।

आतंकी यासिन समेत 11 पर कोर्ट ने तय किए आरोप

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन इंडियन मुजाहिदीन के सह-संस्थापक यासिन भटकल समेत 11 आरोपितों पर भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने की साजिश रचने के मामले में आरोप तय किये हैं। स्पेशल जज शैलेंद्र मलिक ने कहा कि आरोपितों पर मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त सबूत हैं। कोर्ट ने कहा कि यासिन भटकल की चैट से सूरत में बम धमाके की योजना के बारे में खुलासा हुआ है। चैट से पता चलता है कि ब्लास्ट से पहले वहां से मुस्लिमों को हटाने की साजिश रची गई थी। यासीन भटकल न केवल एक बड़ी साजिश में शामिल था, बल्कि आईईडी बनाने में भी सहायता की थी। इंडियन मुजाहिदीन ने भारत के विभिन्न हिस्सों में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए बड़े पैमाने पर नए सदस्यों की भर्ती की।

हुगली में शोभायात्रा के दौरान हिंसा

टीम एक्शन इंडिया/कोलकाता

पश्चिम बंगाल में रामनवमी से शुरू हुआ बवाल अब भी जारी है। 30 और 31 मार्च को हावड़ा और अन्य इलाकों में हिंसा के बाद हुगली के रिशरा इलाके में शोभायात्रा के दौरान दो गुटों के बीच हिंसक झड़प हो गई। दोनों गुटों ने एक-दूसरे पर पत्थरबाजी की और वाहनों में आग लगा दी। पथराव के दौरान भाजपा विधायक बिमान घोष घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस झड़प में कई पुलिसकर्मी भी घायल हुए, जिसके बाद हिंसक भीड़ को काबू करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। फिलहाल हुगली और आसपास के इलाकों में धारा 144 लगा दी गई है। अब तक हिंसा में शामिल 12 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

बावड़ी हादसा: मंदिर समेत अन्य स्थानों पर चलाया बुलडोजर

टीम एक्शन इंडिया/इंदौर

रामनवमी के दिन बेलेश्वर महादेव झूलेलाल मंदिर स्थित बावड़ी धंसने की घटना से सबक लेते हुए इंदौर नगर निगम और पुलिस ने सोमवार को मंदिर के अलावा तीन अन्य स्थानों पर बुलडोजर चलाकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की है। प्रशासनिक अफसरों के मुताबिक, बेलेश्वर महादेव झूलेलाल मंदिर की बावड़ी को मलबे से भरा जाएगा। नगर निगम का अमला सुबह से ही बावड़ी हादसे वाले स्नेह नगर गार्डन और मंदिर, ढक्कन वाला कुआं, सुखलिया और गडरा खेड़ी में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में जुटा हुआ है। गडरा खेड़ी में फुटपाथ के नीचे दबे हुए कुएं को नगर निगम ने अतिक्रमण मुक्त कराया। इसके ऊपर फुटपाथ बना था और खाटू श्याम मंदिर की दीवार बनी थी।

'हरियाणा में 100 से अधिक व्यक्तियों की भीड़ वाले क्षेत्रों में मास्क पहनना अनिवार्य'

टीम एक्शन इंडिया/चण्डीगढ़

हरियाणा के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री अनिल विज ने कहा कि राज्य में 100 से अधिक व्यक्तियों की भीड़ वाले क्षेत्रों में मास्क पहनना अनिवार्य किया जाएगा ताकि कोविड संक्रमण को फैलने से रोका जा सके। इसके अलावा, राज्य के सभी स्वास्थ्य कर्मियों को मास्क पहनना अनिवार्य किया गया है।

श्री विज स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कोविड संक्रमण को लेकर की जाने वाली व्यवस्थाओं के संबंध में बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

कोविड मरीजों की जीनोम सिक्वेंसिंग करने के निर्देश: उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि यदि खांसी, जुकाम के मरीज अस्पताल में आते हैं तो ऐसे मरीजों का कोरोना टेस्ट अनिवार्य किया जाए। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि जिन मरीजों की कोविड की टेस्टिंग की गई है और उन्हें कोविड पाया जाता है तो ऐसे मरीजों की जीनोम सिक्वेंसिंग भी की जाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि अभी तक जो कोविड का वेरिएंट आया है वह काफी माइल्ड हैं।

पिछले एक सप्ताह में राज्य में 25404 टेस्टिंग की: उन्होंने बताया कि अभी वर्तमान में 724 सक्रिय मरीज हरियाणा में हैं लेकिन इसमें से कोई अस्पताल में नहीं हैं। उन्होंने बताया कि पिछले एक सप्ताह में राज्य में 25404 टेस्टिंग की जा चुकी है।

लोकसभा-राज्यसभा की कार्यवाही 5 अप्रैल तक स्थगित

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण में लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही सुचारु ढंग से नहीं चल पाई। राहुल गांधी की संसद सदस्यता और अडाणी के मुद्दे पर कांग्रेसी नेताओं ने जमकर हंगामा किया। आखिरकार दोनों सदन की कार्यवाही बुधवार, 5 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दी गई।

कांग्रेस नेता काले कपड़े पहनकर पहुंचे थे: दूसरे चरण में 12 दिनों की कार्यवाही हंगामें की भेंट चढ़ चुकी है। 13वां दिन था। सत्र के 12वें दिन यानी पिछले बुधवार को कांग्रेस नेता काले कपड़े पहनकर संसद पहुंचे थे। लोकसभा में कांग्रेस सांसदों ने स्पीकर के सामने 'सेव डेमोक्रेसी' के पोस्टर दिखाए और काले कपड़े लहराए।

सूरत कोर्ट ने राहुल गांधी को दी फौरी राहत

टीम एक्शन इंडिया/सूरत

कांग्रेस नेता राहुल गांधी 'मोदी सरनेम' टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में दोषी ठहराए जाने के खिलाफ अदालत में अपील करने के लिए सोमवार को सूरत पहुंचे। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी भी भाई राहुल के साथ सूरत आईं। सूरत कोर्ट ने राहुल को 13 अप्रैल तक जमानत दे दी। वहीं, उनकी सजा के खिलाफ सुनवाई के लिए तीन मई की तारीख दे दी। राहुल के सूरत जाने पर राजनीति भी शुरू हो गई है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि ये लोग अपील के नाम पर हुड़दंग करने जा रहे हैं। वहीं, कांग्रेस का कहना है कि यह राहुल गांधी के साथ उनकी एकजुटता है। बीते महीने सूरत के सीजेएम कोर्ट ने मोदी सरनेम मानहानि केस में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी को दो साल की सजा सुनाई थी। कोर्ट ने इस सजा को चुनौती देने के लिए राहुल को एक महीने का समय दिया था। सजा सुनाए जाने के बाद राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता चली गई थी। रिपोर्ट्स के अनुसार, कोर्ट के फैसले को चुनौती देने के लिए याचिका तैयार की गई है।

खालिस्तानी अमृतपाल की तलाश जारी

टीम एक्शन इंडिया/अमृतसर

वारिस पंजाब दे के मुखी अमृतपाल सिंह को पुलिस की गिरफ्त से बाहर 17 दिन हो गए हैं। इन 17 दिनों में अमृतपाल सिंह वापस पंजाब आकर एक बार फिर पुलिस को चकमा देकर भागने में कामयाब रहा है। अब पुलिस ने अमृतपाल सिंह और उसके साथी पपलप्रीत के पोस्टरों को मानसा के चौक चौराहों पर लगा दिया है। इस बीच बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। यहां पंजाब सरकार ने कहा कि अमृतपाल का चाचा हरजीत सिंह अवैध हिरासत में नहीं है। उसका नाम अजनाला हिंसा में शामिल है। उसके खिलाफ केस दर्ज है। इस मामले में अब 11 अप्रैल को फिर सुनवाई होगी। उधर, पुलिस सूत्रों के मुताबिक अमृतपाल की तलाश में पंजाब पुलिस उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में पहुंची है। यहां एक धार्मिक स्थल में सर्च ऑपरेशन चलाया है। पुलिस का यहां पर अमृतपाल के पनाह लेने का शक है। यहां से नेपाल बॉर्डर भी नजदीक है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक अमृतपाल जिस स्कॉर्पियों से पंजाब लौटा था, उसका कनेक्शन इस धार्मिक जगह से है।

चकमा दिया

= अब पुलिस ने अमृतपाल सिंह और उसके साथी पपलप्रीत के पोस्टरों को मानसा के चौक चौराहों पर लगा दिया है

कोरोना के 3,641 नए मरीज

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

देश में कोरोना के मामले एक बार फिर से तेजी से बढ़ने लगे हैं। पिछले 24 घंटे में कोरोना के 3,641 नए मरीज सामने आए हैं। इस दौरान सात संक्रमित लोगों की मौत हो गई। इस अवधि में 1,800 मरीज स्वस्थ हुए हैं। अब तक कोरोना वायरस से 4,41,75,135 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। रिकवरी रेट 98.76 प्रतिशत है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार देश में एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 20,219 हो गई है।

ध्वनिमत से पारित कानून रद्द करने के सरकार के फैसले पर विधानसभा में जोरदार हंगामा

हिमाचल लोकतंत्र प्रहरी सम्मान कानून रद्द करने पर विपक्ष का वॉकआउट

टीम एक्शन इंडिया/शिमला

हिमाचल प्रदेश की सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार ने हिमाचल प्रदेश लोकतंत्र प्रहरी सम्मान कानून रद्द कर दिया है। इस संबंध में आज प्रदेश विधानसभा ने कानून को रद्द करने संबंधी सरकार द्वारा लाए गए विधेयक को सदन ने विपक्ष के भारी विरोध के बीच ध्वनिमत से पारित कर दिया। इस कानून को निरस्त करने के विरोध में विपक्ष ने पहले सदन में जोरदार हंगामा किया और बाद में पूरा विपक्ष विरोध स्वरूप सदन से उठकर बाहर चला गया। हिमाचल प्रदेश लोकतंत्र प्रहरी सम्मान कानून को रद्द करने संबंधी विधेयक संसदीय कार्य मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने सदन में पेश किया। इस विधेयक पर हुई चर्चा के जवाब में हर्षवर्धन चौहान ने कहा कि पूर्व भाजपा सरकार ने लोकतंत्र प्रहरी सम्मान के नाम पर सरकारी धन का दुरुपयोग किया है।

उन्होंने कहा कि इस सम्मान राशि के नाम पर पूर्व भाजपा सरकार ने अपने चहेतों को लाभ पहुंचाया। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने जो गलत किया है, हम उसे जारी रखने के लिए बाध्य नहीं है। इसलिए हमारी सरकार ने इस कानून को निरस्त करने का फैसला किया है। हर्षवर्धन चौहान ने कहा कि सरकारी धन के दुरुपयोग पर भाजपा को शर्म आनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि आपातकाल में किसी को भी सजा स्वरूप जेल नहीं भेजा गया, बल्कि उन्हें एहतियात के लिए जेल में रखा गया। उन्होंने कहा कि पूर्व सरकार ने लोकतंत्र प्रहरी सम्मान के नाम पर 3.43 करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च कर डाली।

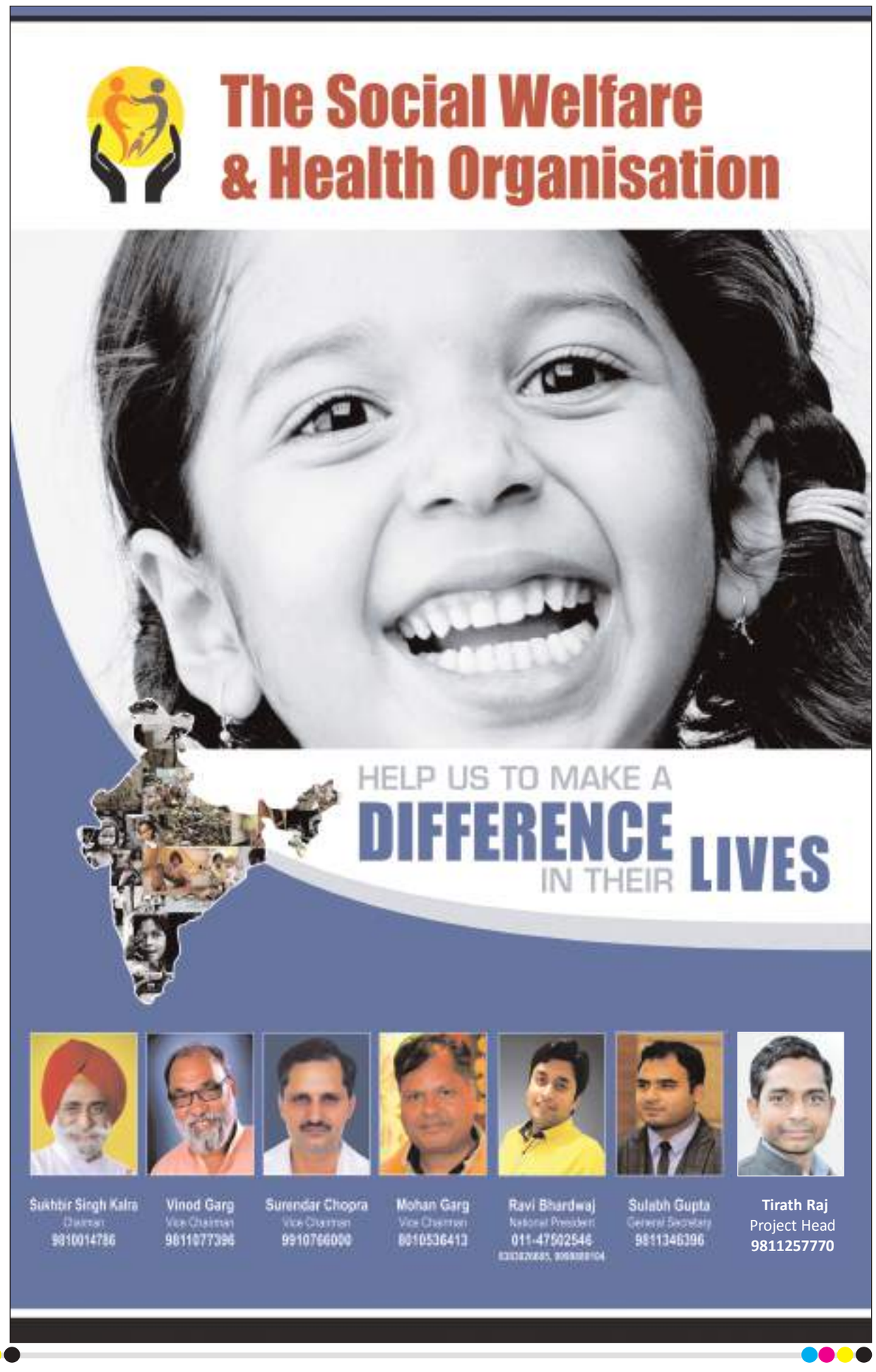

'स्वास्थ्य कर्मियों को मास्क पहनना अनिवार्य'

होम आइसोलेशन की मरीजों की मदद के लिए कंट्रोल रूम भी स्थापित किया जाए ताकि ऐसे मरीजों से संपर्क करके उन्हें सहायता दी जा सकें

8 लोग कोविड से बचाव के लिए सोशल डिस्टेसिंग, बार-बार हाथ धोना, मास्क पहनना और ज्यादा तरल लेना इत्यादि का पालन करें

टीम एक्शन इंडिया/चण्डीगढ़
हरियाणा के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री अनिल विज ने कहा कि राज्य में 100 से अधिक व्यक्तियों की भीड वाले क्षेत्रों में मास्क पहनना अनिवार्य किया जाएगा ताकि कोविड संक्रमण को फैलने से रोका जा सके। इसके अलावा, राज्य के सभी स्वास्थ्य कर्मियों को मास्क पहनना अनिवार्य किया गया है। विज स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कोविड संक्रमण को लेकर की जाने वाली व्यवस्थाओं के संबंध में बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

कोविड मरीजों की जीनोम सिक्वेंसिंग करने के निर्देश: उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि यदि खांसी, जुकाम के मरीज अस्पताल में आते हैं तो ऐसे मरीजों का कोरोना टेस्ट अनिवार्य किया जाए। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि जिन मरीजों की कोविड की टेस्टिंग की गई है और उन्हें कोविड पाया जाता है तो ऐसे मरीजों की जीनोम सिक्वेंसिंग भी की जाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि अभी तक जो कोविड का वेरिएंट आया है वह काफी माइल्ड हैं।

पिछले एक सप्ताह में राज्य में 25404 टेस्टिंग की: उन्होंने बताया कि अभी वर्तमान में 724 सक्रिय मरीज हरियाणा में हैं लेकिन इसमें से कोई अस्पताल में नहीं हैं। उन्होंने बताया कि पिछले एक सप्ताह में राज्य में 25404 टेस्टिंग की जा चुकी है। इसके अलावा, कोरोना की पहली वैक्सीनेशन डोज 103 प्रतिशत, दूसरी डोज 86 प्रतिशत लगाई गई जबकि प्रीकॉशन डोज में कमी हैं लेकिन राज्य के सभी सिविल सर्जन अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि लोगों को प्रीकॉशन डोज लगाने के लिए प्रेरित करें ताकि लोगों को प्रीकॉशन डोज लगाई जा सकें।

कोविड के प्रोटोकॉल को स्वयं की प्रेरणा से लोगों को मानना चाहिए: स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि लोग कोविड से बचाव के लिए सोशल डिस्टेसिंग, बार-बार हाथ धोना, मास्क पहनना और ज्यादा तरल लेना इत्यादि का पालन करें तो इससे बड़ी ही आसानी से लडा जा सकता हैं। विज ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि कोविड के प्रोटोकोल को स्वयं की प्रेरणा से लोगों को मानना चाहिए।

राज्य में टेस्टिंग, टेजसिंग, ट्रीटमेंट, टीम वर्क और टैजकिंग तथा मॉनिटरिंग पर काम किया जा रहा है: बैठक के दौरान स्वास्थ्य मंत्री को अवगत कराया गया कि आगामी 10 व 11 अप्रैल को राज्य के विभिन्न स्थानों में मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा। राज्य में टेस्टिंग, टेजसिंग, ट्रीटमेंट, टीम वर्क और टैजकिंग तथा मॉनिटरिंग पर काम किया जा रहा हैं। इसके अलावा, राज्य के सभी सिविल सर्जन को टैस्टिंग दोगुणी करने के निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। मंत्री को अवगत कराया गया है कि एसएआरआई, आईएलआई, फ्लु कॉर्नर की शत-प्रतिशत टेस्टिंग की जा रही है। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री को बताया गया कि अभी तक की टेस्टिंग में एक्सबीबी.1 और एक्सबीबी.1.5 वेरिएंट पाया गया है। इस पर मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कोविड संक्रमण को रोकने के लिए फ्लु कॉर्नर, टेस्टिंग उपकरण, दवाईयों की पर्याप्त व्यवस्था करने के साथ-साथ वैक्सीनेशन पर बल दिया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हाई रिस्क वाले लोगों की वैक्सीनेशन की जाए। होम आइसोलेशन की मरीजों की मदद के लिए कंट्रोल रूम भी स्थापित किया जाए ताकि ऐसे मरीजों से संपर्क करके उन्हें सहायता दी जा सकें। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री ने क्या करें व क्या न करें के संबंध में एसओपी तैयार करने के लिए निर्देश भी अधिकारियों को दिए। जिसमें भीडभाड वाले क्षेत्रों में मास्क पहनना अनिवार्य, साबुन या सैनिटाइजर या पानी से हाथों को धोएं, आंखों, नाक व मुंह का छूने से बचें, संक्रमित व्यक्ति से एक हाथ की दूरी बनाए रखें, खांसते व छींकते समय अपने मुंह को ढंक लें, पानी ज्यादा पीएं और पोषित आहार लें। इसी प्रकार, क्या न करें में हाथ न मिलाएं।

'स्टार्टअप शुरू करने से पहले ज्ञान लेना जरूरी'

टीम एक्शन इंडिया/गुरुग्राम
फैकल्टी ऑफ कॉमर्स के एसोसिएट डीन व युक्ति के कॉर्डिनेटर डॉ. के. ताराशंकर ने कहा कि नए स्टार्टअप से पहले फाउंडर एग्रीमेंट, इनलेक्चुअल प्रॉपर्टी प्रोटेक्शन और लेबर कानून के बारे में जान लेना चाहिए। उन्होंने छात्रों को स्टार्टअप शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया। यह बात उन्होंने यूनिवर्सिटी द्वारा नए स्टार्ट अप शुरू करने से पहले आने वाली कानूनी अड़चनों से अवगत करवाने के लिए प्लानिंग स्टार्टअप विद फोकस ऑन लीगल एसपैकट्स शीर्षक पर एक एक्सपर्ट टॉक में कही। यह कार्यक्रम फैकल्टी ऑफ मास कम्यूनिकेशन एण्ड मीडिया टेक्नॉलजी व सेंटर ऑफ लेंगवेज एण्ड कम्यूनिकेशन के द्वारा द इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल के तहत किया गया। डा. ताराशंकर ने कहा कि एक योजना को विकसित करने, धन जुटाने, संसाधनों का निर्धारण करने सहित पांच चरण की प्रक्रिया के बारे में जानकारी देते हुए इसका महत्व भी बताया। उन्होंने यह भी कहा कि एसजीटी विश्वविद्यालय भी स्टार्टअप शुरू करने के इच्छुक विद्यार्थियों को अटल कम्युनिटी इनोवेशन सेंटर के तहत आर्थिक व तकनीकी सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप शुरू करने से पहले डॉक्यूमेंट पूरे होने चाहिए, ताकि कानूनी तौर पर आने वाली दिक्कतों से बचा जा सकता है। इसके साथ ही डॉ. ताराशंकर ने सरकार की योजना युक्ति के बारे में भी विद्यार्थियों को जानकारी दी और कहा कि यह एक ऐसी योजना है कि जब कोई व्यक्ति अपने स्टार्टअप के बारे में सरकार को कोई सुझाव देता है तो इस योजना के तहत सरकार आर्थिक तौर पर लोगों की मदद करती है।

विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए फैकल्टी ऑफ मास कम्यूनिकेशन एण्ड मीडिया टेक्नॉलजी के डीन प्रोफेसर सुशील मानव ने कहा कि हमेशा रोजगार लेने की बजाय रोजगार देने वाले बनें। इसके साथ ही प्रोफेसर मानव ने गुरुग्राम से शुरू हुए नए स्टार्टअप ब्लिंकिट की सफलता के बारे में भी बताया।

'पांच लाख कार्यकर्ता 6 अप्रैल को अपने घरों पर लगाएंगे भाजपा का झंडा'

टीम एक्शन इंडिया/चंडीगढ़
भारतीय जनता पार्टी हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा कि पार्टी के स्थापना दिवस के दिन सुबह 9 बजे 5 लाख कार्यकर्ता अपने घरों पर पार्टी का झंडा लगाएंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संबोधन सुनेंगे। प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ ने यह जानकारी सोमवार को चंडीगढ़ में प्रेसवार्ता के दौरान साझा की। प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि पार्टी 6 अप्रैल से 14 अप्रैल तक का समय समरसता सप्ताह के रूप में मनाएगी। इस मौके पर उनके साथ प्रदेश मीडिया एवं सोशल मीडिया प्रमुख डा. संजय शर्मा, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी संजय आहूजा और प्रवक्ता प्रवीण अत्रे भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि भाजपा के स्थापना दिवस 6 अपैल को राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा देशव्यापी दीवार लेखन कैंपेन शुरू कर रहे हैं। हरियाणा में भी यह कैंपेन इसी दिन शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि दीवार लेखन के दौरान मकान मालिकों की स्वीकार्यता भी ली जाएगी।
प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि नए पन्ना प्रमुख बनाने का लगभग 85 प्रतिशत काम पूरा कर लिया गया है और 6 अप्रैल तक 100 प्रतिशत पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पहली बार पार्टी बूथ से पन्ना तक पहुंची और उसकी ताकत भी चार गुना बढ़ रही है। धनखड़ ने बताया कि 6 से 11 अप्रैल तक मनाए जाने वाले समरसता सप्ताह के दौरान 11 अप्रैल को ज्योतिबा फुले और 14 अप्रैल को डा. भीमराव अंबेडकर की जयंती को व्यापक रूप से मनायी जाएगी, इसका दायित्व एससी और बीसी मोर्चा तथा संगठन कार्यकर्ताओं को सौंप दिया गया है। धनखड़ ने बताया कि अब पार्टी का संगठन इतना मजबूत हो गया है कि हम एक ही दिन में 308 मंडलों की बैठक कर रहे हैं।

हनुमान जन्मोत्सव पर लोवा कलां सिदीपुर में 61वें देशव्यापी भंडारे की तैयारियां शुरू

8 हनुमान जन्मोत्सव पर 6 अप्रैल बृहस्पतिवार को 61वें देशव्यापी देशी घी के विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा

टीम एक्शन इंडिया/सिद्धार्थ राव, बहादुरगढ़
गांव लोवा कलां सिदीपुर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हनुमान जन्मोत्सव पर 6 अप्रैल बृहस्पतिवार को 61वें देशव्यापी देशी घी के विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। देशव्यापी भंडारे में विभिन्न खापों, तपों, पंचायतों के प्रतिनिधियों के अलावा अंतर्राष्ट्रीय स्तर के
खिलाड़ी, फिल्मी सितारे, टी.वी. कलाकार, राजनीतिक हस्तियां व उद्योगपति,व्यापारी व विभिन्न सामाजिक, धार्मिक व अन्य संगठनों से जुड़े लोग शिरकत करेंगे।
२देशव्यापी देशी घी के भंडारे के आयोजक अशोक मान, दलबीर मान, सिकंदर मान,
विराट मान, पारस मान, सूर्य मान, आर्यन मान, साहिब मान, मानसी मान ने बताया कि लोवा कलां, सिदीपुर, ईस्सरहेड़ी समस्त ग्रामवासी के सहयोग से यह देशव्यापी देशी घी का भंडारा आयोजित हो रहा है। आयोजकों के अनुसार इस देश व्यापी भंडारे में आसपास के गांवों के अलावा काफी दूर-दराज से लोग भंडारे में प्रसाद ग्रहण करने के लिए आते है। अशोक मान, दलबीर मान ने बताया कि 6 अप्रैल को होने वाले इस कार्यक्रम में सुबह 8 बजे हवन यज्ञ होगा। उसके बाद सुबह 10 प्रवचन प्रारम्भ होंगे और साथ में देशी घी का भंडारा भी शुरू होगा। उन्होंने बताया कि इस देशव्यापी भंडारे के सफल आयोजन को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। भंडारे के लिए प्रसाद बनाने का कार्य हलवाईयों ने शुरू कर दिया है। देशव्यापी भंडारे में लड्डू बनाने का कार्य शुरू हो गया है। आने वाले सभी लोगों के लिए बैठने व प्रसाद ग्रहण करने की सभी उचित व्यवस्था भी की गई है। अशोक मान व दलबीर मान का कहना है कि उनकी माता स्व. बेदवती देवी ने इस भंडारे के आयोजन को शुरू किया था। जिसके बाद पिता स्व श्रीचंद मान जो कि लोवा कलां सत्रह के प्रधान भी रहे। उन्होंने इस भंडारे के आयोजन को निरंतर आगे बढ़ाया। भंडारे के संस्थापक माता-पिता रहे हैं और अब उनके निधन के बाद परिवार के सभी सदस्य मिलकर समस्त ग्रामीणों के सहयोग से इस देशव्यापी भंडारे का सफल आयोजन करते आ रहे हैं।

कर्ज के मुद्दे पर श्वेत पत्र जारी करे सरकार: हुड्डा

टीम एक्शन इंडिया/चंडीगढ़
प्रदेश की आर्थिक स्थिति और कर्ज के बोझ को लेकर मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के बीच वाकयुद्ध रुक नहीं रहा है। बजट सत्र के दौरान मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया था कि विपक्ष के नेता हर दिन अपने आंकड़े और बयान बदल रहे हैं, इससे उनकी छवि खराब हो रही है। सोमवार को चंडीगढ़ में पूर्व मुख्यमंत्री हुड्डा आंकड़ों के साथ मीडिया से रूबरू हुए। उन्होंने सरकार पर ही आंकड़े छुपाने और लोगों को गुमराह करने का आरोप जड़ा। अपने आंकड़ों को सही बताते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने एक बार फिर दोहराया कि प्रदेश पर कर्ज का बोझ चार लाख करोड़ से अधिक हो चुका है। उन्होंने कैग और आरबीआई (रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया) की रिपोर्ट और आंकड़े भी मीडिया के सामने रखे। इतना ही नहीं, पूर्व मुख्यमंत्री ने यहां तक कहा कि सरकार जो बजट पेश करती है, वह संशोधित अनुमानों में हर बार पंद्रह प्रतिशत तक कम हो जाता है। विकास कार्यों के लिए सरकार के पास पैसा ही नहीं है। अगर ऐसे ही कर्ज बढ़ता रहा तो प्रदेश के हालात भी पंजाब जैसे हो जाएंगे। मुख्यमंत्री के आरोपों पर हुड्डा ने कहा कि, अगर मेरे आंकड़े गलत हैं तो प्रदेश सरकार राज्य की वित्तीय स्थिति पर श्वेत-पत्र जारी करे। लोगों के सामने सच्चाई आ जाएगी। प्रेस वार्ता के दौरान विधायक गीता भुक्कल, कुलदीप वत्स, वरुण चौधरी, सुभाष गंगौली, इंदूराज नरवाल सहित कई वरिष्ठ नेता भी उनके साथ मौजूद थे।

जींद में पूर्व एमएलए का चौटाला परिवार पर वार

8 सोचती थी कि दिग्विजय चौटाला बहुत ज्यादा पढ़ा लिखा है, लेकिन वह तो मात्र 12वीं पास ही निकला

टीम एक्शन इंडिया/जींद
हरियाणा में डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला परिवार और पूर्व मंत्री चौ. बीरेंद्र सिंह के परिवार में चल रही जुबानी जंग थमने का नाम नहीं ले रही। बीरेंद्र सिंह का परिवार चौटाला परिवार पर तंज कसने का एक भी मौका नहीं चूक रहा। उचाना की पूर्व विधायक एवं चौ. बीरेंद्र सिंह की पत्नी प्रेमलता ने सोमवार को जजपा महासचिव दिग्विजय चौटाला पर प्रहार कर उसे 12वीं पास बताया। प्रेमलता ने कहा कि वह सोचती थी कि दिग्विजय चौटाला बहुत ज्यादा पढ़ा लिखा है, लेकिन वह तो मात्र 12वीं पास ही निकला। उसमें काफी बचपना है और वह चैलेंज अपने पिता की उम्र के लोगों को दे रहा है। डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला इस तरह की भाषा नहीं बोलता। वह मर्यादित भाषा बोलता है। प्रेमलता ने कहा कि दुष्यंत चौटाला ने अलेवा में अपने बयान, जिसमें उसने कहा था कि अगर बीरेंद्र सिंह उचाना हलके में 100 काम गिनवाते हैं, वह 200 काम गिना सकते हैं, पर कहा कि हलके की जनता ही बताएगी, किसने कितने काम करवाए हैं। बीरेंद्र सिंह और अजय चौटाला परिवार के बीच पिछले कई दिनों से बातों का वार चल रहा है।

अब एक पद पर तैनात तीन साल पुराने कर्मचारियों पर होगी कार्रवाई

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य सचिव संजीव कौशल ने प्रशासनिक सचिवों को निर्देश दिए कि संवेदनशील पदों पर तीन साल से अधिक समय से कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों की सूची तैयार कर 10 दिन में मुख्य सचिव कार्यालय को उपलब्ध कराएं। मुख्य सचिव सोमवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रशासनिक सचिवों तथा जिला उपायुक्तों के साथ बैठक कर रहे थे। कौशल ने कहा कि सरकार ने सभी प्रशासनिक सचिवों और विभागाध्यक्षों को उनके अधीन विभाग, बोर्ड और निगमों के संवेदनशील पदों और उन पर तीन साल से अधिक समय से कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों की जानकारी एक निर्धारित प्रोफार्मा में उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए थे।

खराब हुई फसल को लेकर डीसी ने किया गांवों का दौरा

टीम एक्शन इंडिया/सोनीपत
उपायुक्त ललित सिवाच ने कहा कि हाल ही में बेमौसमी बरसात एवं ओलावृष्टि से, हो रहे रबी फसल के नुकसान के कारण हरियाणा सरकार द्वारा सोनीपत जिले के किसानों के लिए 10 अप्रैल तक ई-फसल क्षतिपूर्ति पोर्टल को पुनः खोल दिया गया है। जिन भी किसानों को फसल खराबे के कारण नुकसान हुआ है उन सभी किसानों को सरकार द्वारा मुआवजा दिया जाएगा। उपायुक्त ने जिला के गांव चौलका, खांडा, सेहरी, नकलोई, निरथान, बिधलान, सिलाना, फरमाना, रिढाऊ, मौजम नगर, माजरा, आंवली, बिलबिलान, कटवाल, लाठ, जौली, बली ब्राह्मण, भैसवाल कलां व भैंसवाल खुर्द आदि गांवों में बेमौसमी बरसात एवं ओलावृष्टि से हुए फसल खराबे को लेकर दौरा किया। उपायुक्त ने जिला के प्रभावित किसानों को आश्वस्त किया है कि उन्हें मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप एक माह के भीतर राहत प्रदान कर दी जाएगी। जिला सोनीपत के सभी 347 गांवों का स्टाफ द्वारा दौरा किया जा रहा है।

उत्तर रेलवे
निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता / समन्वय द्वारा ई-टेंडर जिनके बन्द होने की तिथि 27.04.2023 है। निम्न टेंडर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं जो उसी दिन 16.00 बजे तक प्राप्त किए जाएंगे। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक डिपोजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेंडर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेंडर संख्या / दिनांक	349-DRM-MB-22-23 Date: 29.03.2023		
कार्य का नाम	Upgradation of Roorkee (RK) Station of Moradabad Division under Amrit Bharat Station Scheme (ABSS) in the section of DEN/II/MB		
टेंडर क्लोजिंग दिनांक / समय	27.04.2023 at 16.00 hrs.		
अनुमानित लागत	₹8,54,40,851.10		
धरोहर राशि	₹4,77,200.00		
बिडिंग स्टार्ट तिथि	13.04.2023		
ऑफर की वैधता	60 दिन	कार्य पूर्ण करने की अवधि	12 माह

No. 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 03.04.2023 1008/2023
SERVING CUSTOMERS WITH A SMILE

भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव पर शहर में निकाली शोभायात्रा

भगवान महाबीर के जन्म कल्याणक की शोभायात्रा में मनमोहक झाकियां व गणमान्य लोग रथों पर थे सवार

टीम एक्शन इंडिया/गन्नौर
जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर का जन्म कल्याणक महोत्सव सोमवार को बड़ी धूमधाम से मनाई गई।मंदिरों में सुबह से ही विशेष पूजा–अर्चना शुरू हो गई थी। भगवान महावीर के संदेशों को आत्मसात किया गया। इस पावन पर्व के अवसर पर 1008 दिगम्बर जैन मंदिर धर्मशाला सभा द्वारा शहर से शोभायात्रा निकाली गई। भगवान महावीर के जीवन चरित्र को दशार्ती झांकियां आकर्षण का केन्द्र रही। वहीं बैंडवादन के साथ लवाजमा शामिल भी शामिल हुआ,इससे पहले समाजबंधुओं की ओर से दो दिवसीय आयोजन दो अप्रैल को शुरू किए गए थे, शोभायात्रा में ज्ञान वर्धक तथा संदेशात्मक झांकियां शामिल की गई वहीं महिला मण्डल के अलावा बैण्ड बाजे, लवाजमा तथा रथ में विराजमान श्रीजी भी शामिल रहे इस अवसर पर दिगम्बर जैन मंदिर व धर्मशाला सभा के प्रधान सुरेंद्र जैन ने बताया कि वर्तमान में विश्व में फैल रही हिंसा का निदान केवल भगवान महावीर स्वामी द्वारा दिखाए गए अहिंसा के मार्ग पर ही चलकर किया सकता है, जिस पर चलकर कई महानुभाव महापुरुष बन गए। जैन ने बताया कि प्रातः 8 बजे जैन धर्म के ध्वज का आरोहण सुमन अरोरा जी के परिवार द्वारा मंदिर में किया गया। उन्होंने बताया कि 48 दीपों द्वारा रथ पर विराजमान श्री जी की भव्य आरती हुई। रथ यात्रा में सभी श्रद्धालुओं ने एक जैसे केसरिया वस्त्र पहने हुए थे। रथ यात्रा में विभिन्न प्रकार की आकर्षक झांकियों ने भाग ले कर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। रथयात्रा शहर के रेलवे रोड,नगर पालिका रोड़,देवीलाल चौक,जनता स्कूल रोड़ व कन्या स्कूल चौक से होती हुई जैन मंदिर पहुंच कर समापन हुआ। इस दौरान व्यापार मंडल के प्रधान शेखर चंद जैन,गौरव जैन,पार्षद शिवानी जैन व सीता अस्पताल के संचालन डॉक्टर संजय जैन के अलावा विश्व हिंदू परिषद/बजरंग दल ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल के पास छबिल लगाकर जनसेवा की।

उत्तर रेलवे
ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता / II / मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	355-DRM-MB-22-23 DATE :-31.03.2023	01-DRM-MB-23-24 DATE :-03.04.2023	02-DRM-MB-23-24 DATE :-03.04.2023
कार्य का नाम	सहायक मंडल अभियंता उ० रे० शाहजहांपुर के अधीन वरिष्ठ खण्ड अभियंता/कार्य/शाहजहांपुर के खण्ड में विभिन्न पुलों (पुल नं० 975 डाउन, 978 डाउन, 979 डाउन, 980 डाउन, 981 डाउन, 983 डाउन, 984 अप, 985 डाउन, 992 डाउन, 1001 डाउन और 1002 डाउन) की मरम्मत का कार्य।	सहायक मंडल अभियंता उ० रे० बरेली के अधीन वरिष्ठ खण्ड अभियंता/रेल पथ/उ० रे० राम पुर के खण्ड में Turnout के Layout में सुधार का कार्य।	सहायक मंडल अभियंता उ० रे० बरेली के अधीन वरिष्ठ खण्ड अभियंता/रेल पथ/उ० रे० बरेली के खण्ड में Turnout के Layout में सुधार का कार्य।
टेन्डर क्लोजिंग दिनांक / समय	25.04.2023 16:00	25.04.2023 16:00	25.04.2023 16:00
अनुमानित लागत	56,88,064.58	33,18,263.58	33,39,477.06
धरोहर राशि	1,13,800.00	66,400.00	66,800.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	11.04.2023	11.04.2023	11.04.2023
आफर की वैधता	60 दिन	60 दिन	60 दिन
कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 माह	04 माह	04 माह

नं. 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक 03.04.2023 1010/2023
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री से की मुलाकात, कई मुद्दों पर हुई चर्चा

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री धामी ने प्रधानमंत्री को चारधाम यात्रा, आदि कैलाश और लोहाघाट स्थित मायावती आश्रम के लिए आमंत्रित किया। एक घंटे तक चली बैठक में मुख्यमंत्री धामी ने राज्य के विकास से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की।
मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से जमरानी बांध बहुउद्देशीय परियोजना की वित्तीय स्वीकृति आर्थिक मामलों की कैबिनेट कमेटी से भी कराने का अनुरोध किया।
मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को चमोली के जोशीमठ क्षेत्र में भू-धंसाव से प्रभावितों को राहत और विस्थापन कार्यों की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि भूस्खलन एवं भू-धसाव के लिए आर्थिक पैकेज 2942.99 करोड़ की आवश्यकता है। उक्त पैकेज में प्रभावितों को अस्थाई राहत व आवास व्यवस्था के लिए 150 प्री फब्रिकेटेड घरों का निर्माण, साइट डेवलपमेंट कार्य, प्रभावित भत्ता प्रमुख है। आवासीय एवं व्यवसायिक अवसंरचनाओं के मुआवजे, असुरक्षित जोन में आने वाले परिवारों की जमीनों के मुआवजे, प्रभावित व्यक्तियों के स्थायी पुनर्वास एवं भूमि के अधिग्रहण व विकास और प्रभावित विभागीय अवसंरचनाओं की मरम्मत व पुनर्स्थापना का कार्य सम्मिलित है। जोशीमठ के स्थरीकरण व पुनर्विकास का कार्य भी किया जाना है।
मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय पशुधन मिशन के अन्तर्गत ऑस्ट्रेलिया से 240 मैरीनो भेड़े दिसम्बर, 2019 में आयात की गई थीं। इसकी सफलता के आधार पर प्रथम चरण में 500 मैरीनो भेड़ों को आयात के प्रस्ताव में पशुधन मंत्रालय एवं कपड़ा मंत्रालय से सहयोग की मांग की। प्रदेश सरकार की ओर से स्टेट मिलेट मिशन का वर्ष 2023-24 से 2027-28 तक संचालन किया जा रहा है। मिलेट मिशन में 10,000 मैट्रिक टन मडुवा, किसानों से खरीद कर पीडीएस के माध्यम से वितरित किया जायेगा। साथ ही झंगोरे की खीर को मिड-डे-मील में सप्ताह में एक बार विद्यार्थियों को उपलब्ध कराया जायेगा। झंगोरा, रामदाना एवं काकुनी के लिये न्यूनतम समर्थन मूल्य जारी किये जाने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन, दलहन व तिलहन के अन्तर्गत गहत व काला भट्ट फसल के सत्य बीज के प्रयोग की अनुमति प्रदान करने का भी अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में नाबार्ड की ओर से 18 हजार पॉलीहाउस की स्थापना के लिए 280 करोड़ की स्वीकृति दी गयी है। इससे लगभग 1 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा। उच्च मूल्य वाली फसलों जैसे- सेब, कीवी, ड्रैगन फ्रूट, स्ट्राबेरी आदि को राज्य सरकार द्वारा बढ़ावा दिया जा रहा है।

उत्तराखंडः अगले 48 घंटे भारी बारिश का अलर्ट

8 मौसम विभाग के मुताबिक आज राज्य में कहीं-कहीं गर्जना के साथ बारिश होने के आसार हैं

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
मौसम विभाग ने प्रदेश में अगले 48 घंटे बारिश के साथ तीन हजार से अधिक ऊंचाई वाले स्थानों पर बर्फबारी के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। राज्य में पांच अप्रैल से मौसम साफ होने के आसार हैं।
सोमवार सुबह देहरादून सहित आसपास के स्थानों पर बादलों के बीच सूरज निकला। राज्य में चल रही ठंडी हवा और बादलों की लुका-छुपी से मौसम में ठंडापन बना हुआ है।
मौसम विभाग की ओर से जारी पूवार्नुमान के मुताबिक आज राज्य में कहीं-कहीं गर्जना के साथ बारिश होने के आसार हैं। मंगलवार (04 अप्रैल) को राज्य के उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जनपदों के 3000 हजार मीटर व उससे अधिक वाले स्थानों पर कहीं-कहीं बहुत हल्की से हल्की बारिश, बर्फबारी होने की संभावना है। राज्य के शेष जनपदों में मौसम शुष्क रहेगा। प्रदेश में 05 और 06 अप्रैल को मौसम शुष्क रहेगा।
मौसम विभाग के निदेशक विक्रम सिंह ने कहा कि पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के चलते उत्तराखंड में इस प्रकार की स्थितियां बन रही हैं। पांच अप्रैल से मौसम साफ रहने की उम्मीद है। पांच अप्रैल से मौसम साफ रहने के आसार हैं। सोमवार और मंगलवार को राज्य में बारिश के साथ उच्च स्थानों पर बर्फबारी होने की संभावना जताई है। इस दौरान मैदानी इलाकों में भी ठंडी हवाएं चलने और बारिश को लेकर पूवार्नुमान जारी किया गया है।

संस्कृत अध्यापकों ने शुरू किया धरना

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
संस्कृत शिक्षकों ने सोमवार को मानदेय दिए जाने की मांग को लेकर संस्कृत शिक्षा निदेशालय के बाहर धरना शुरू किया।
संस्कृत विद्यालय व महाविद्यालय में कार्यरत संस्कृत अध्यापकों को सरकार की ओर से वर्ष 2021 में एक शासनादेश जारी कर उचित मानदेय दिए जाने की बात कही गई थी, जिसके बाद संस्कृत विद्यालय व महाविद्यालय में कार्यरत 155 संस्कृत अध्यापकों को उचित मानदेय दिया जाने लगा, लेकिन किन्हीं कारणों से संस्कृत विद्यालयों व महाविद्यालयों में कार्यरत 126 संस्कृत अध्यापक सरकार के इस आदेश से वंचित रह गए थे। जो लगातार सरकार से

स्वयं को 2021 के जारी शासनादेश में शामिल करने की मांग करते आ रहे हैं।संस्कृत अध्यापकों का कहना है कि इस संबंध में उन्होंने सरकार को 10 दिन का अल्टीमेटम दिया था। समय पूरा होने के बाद उनकी मांगें न माने जाने पर अब 126 संस्कृत अध्यापकों ने धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है।

डोडा पोस्त की खेती करने वाले 14 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

नई टिहरी/टीम एक्शन इंडिया
केम्पटी पुलिस ने डोडा पोस्त की खेती करने वाले 14 ग्रामीणों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर नशे की इस फसल को नष्ट किया है।पुलिस की मीडिया सेल के अनुसार पहाड़ों में डोडा पोस्त की खेती करने वालों के खिलाफ यह कार्रवाई की गई है। प्रदेश को 2025 तक नशामुक्त करने के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के प्रयासों के तहत एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर के निर्देश में टिहरी पुलिस ने यह कार्रवाई की है। थाना अध्यक्ष अमित शर्मा के नेतृत्व में पुलिस चौकी नैनबाग क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नकोट के पास अफीम डोडा पोस्त की खेती होने की सूचना मिलने पर थाना केम्पटी पुलिस टीम ने तहसीलदार नैनबाग को सूचित कर मौके पर बुलवाया।

संग्रह अमीन को हटाने की मांग पर अड़े किसान, दिया ज्ञापन

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
भारतीय किसान मजदूर उत्थान यूनियन के पदाधिकारियों ने हरिद्वार तहसील के किशनपुर में तैनात संग्रह अमीन के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर सोमवार को उपजिलाधिकारी पूरन सिंह राणा से मुलाकात की। उन्हें ज्ञापन सौंपकर संग्रह अमीन स्वतंत्र कुमार को हटाने की मांग की करते हुए कार्रवाई करने की मांग की है। कार्रवाई न होने पर यूनियन के पदाधिकारियों ने जल्द जगजीतपुर मातृ सदन आश्रम में धरने पर बैठने की चेतावनी दी है। भारतीय किसान मजदूर उत्थान यूनियन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष विनोद कश्यप के नेतृत्व में एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया।

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष यशपाल चौधरी ने कहा कि किशनपुर के संग्रह अमीन स्वतंत्र कुमार जाति, आय और मूल निवास प्रमाण पत्र रिपोर्ट लगाने के नाम पर लोगों को परेशान करते हैं। बिना सुविधा शुल्क के वह कोई भी रिपोर्ट लगाने का कार्य नहीं कर रहे हैं। जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई लोगों ने यूनियन को इस बात से अवगत कराया था। गरीब मजदूर किसान अपने बच्चों के प्रमाण पत्र बनवा कर स्कूलों में प्रवेश दिलाने के साथ ही कई योजनाओं में आवेदन करते हैं लेकिन इस तरह के कर्मचारियों के कारण वह दिक्कतों का सामना करना पड़ता है इसलिए ऐसे संग्रह अमीनों के खिलाफ कार्रवाई होनी बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि लेखपालों के पास से प्रमाण पत्रों पर रिपोर्ट लगाने की व्यवस्था लिए जाने के बाद से स्थिति ज्यादा बिगड़ गई है। लेखपालों के समय में इस तरह की शिकायतें बिल्कुल भी नहीं आती थी लेकिन संग्रह अमीनों के व्यवस्था संभालने के बाद से ही प्रमाण पत्रों पर रिपोर्ट लगाने के लिए प्रमाण पत्रों को लेकर ज्यादा दिक्कतें आ रही हैं।
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष कश्यप ने कहा कि किशनपुर के संग्रह अमीन स्वतंत्र कुमार की शिकायत लगातार सामने आ रही थी जिसके बाद किसान यूनियन को यह कदम उठाना पड़ रहा है।

न्यूज फ्लैश

आईडीबीआई बैंक ने एनईएसएल के साथ गठबंधन में ई बैंक गारंटी सुविधा लॉन्च की

देहरादून। आईडीबीआई बैंक ने नेशनल ई-गवर्नेंस सर्विसेज लिमिटेड के साथ गठबंधन में ई-बैंक गारंटी सुविधा लॉन्च की है, जिसके बाद बैंक गारंटी जारी करने की पेपर पर आधारित प्रक्रिया ई-स्टांप और ई-सिग्नेचर की मदद से होने लगेगी। इसके साथ ही बैंक ने अपने ग्राहकों को डिजिटल और यूजर-फ्रेंडली सेवाएं प्रदान करने के अपने प्रयास में एक और उपलब्धि हासिल कर ली है। यह आईडीबीआई बैंक के लिए व्यवसाय के परिवेश में एक परिवर्तनकारी बदलाव है, जिसमें बैंक गारंटी का उपयोग ऊँचे वॉल्यूम के लिए होता है, और यह नई पहल ज्यादा पारदर्शिता लाकर टर्न-अराउंड टाईम को दिनों से घटाकर मिनटों तक ले आएगी। ई-बीजी ई-स्टांपिंग और ई-सिग्नेचर के साथ प्रोसेस किए जा सकते हैं और कुछ ही मिनटों में हितग्राही को सौंपे जा सकते हैं। सुरक्षित ट्रांसमिशन और विस्तृत पारदर्शिता के साथ हितग्राही के फिजिबल बैंक गारंटी के सत्यापन में लगने वाले समय और ऊर्जा की बचत होती है। इन सेवाओं के बारे में श्री राकेश शर्मा एमडी एवं सीईओ आईडीबीआई बैंक ने कहा अपने ग्राहकों को डिजिटल प्रस्तुतियों द्वारा सुरक्षित और तीव्र बैंकिंग सेवाएं प्रदान करना सदैव से बैंक के बड़े डिजिटल अभियानों का मुख्य केंद्र रहा है ई-बीजी सुविधा के लिए एनईएसएल के साथ गठबंधन करना खुशी की बात है इससे ई-स्टांपिंग और ई-सिग्नेचर द्वारा अंतिम छोर तक बीजी प्रक्रिया के डिजिटाईजेशन की चुनौती का हल मिल गया है यह आवेदकों और हितग्राहियों के लिए ईज ऑफ बिजनेस की ओर एक बड़ी पहल है।

दुनिया का पहला व्यवसायिक समुदाय कल्याण प्लेटफॉर्म-हमबी लॉन्च

देहरादून। दुनिया के पहले व्यवसायिक समुदाय कल्याण प्लेटफॉर्म 20.95 वेंचर्स ने अपने अनूठे मोबाइल ऐप हमबी के लॉन्च की घोषणा की। इसका उद्देश्य किसी भी उद्योग में पाई जाने वाली दो व्यापक कमियों को दूर करना है- ए) वैल्यू चेन पार्टनर्स जैसे डीलरों, वितरकों, सुपर स्टॉकिस्टों, खुदरा विक्रेताओं, फार्मासिस्टों, किरानावालों, एजेंटों आदि के लिए सामाजिक सुरक्षा कवर प्रदान करना, और बी) सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कंपनियों के लिए एक एकीकृत प्लेटफॉर्म प्रदान करना, जिसके द्वारा वे अपने कल्याणकारी इरादे को उचित रूप से चैनलाइज कर सकें । अधिकांश भारतीय अनौपचारिक और असंगठित क्षेत्रों में कार्यरत हैं।

आईआईटी रूड़की के छात्रों को होरिबा टैलेंट हंट छात्रवृत्ति दी गई

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
आईआईटी रूड़की ने होरिबा इंडिया की सीएसआर पहल के तहत छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए होरिबा इंडिया प्रा. लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। इस साझेदारी के तहत आईआईटी रूड़की परिसर में 18 अंडर ग्रेजुएट छात्रों को होरिबा टैलेंट हंट छात्रवृत्ति 2022-23 दी गई। होरिबा इंडिया, होरिबा लिमिटेड जापान की पूर्ण स्वामित्व की सब्सिडरी है, जिसने 10 विभिन्न विभागों से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अंडर ग्रेजुएट छात्रों को ट्यूशन छूट में एक बार की

आंशिक छूट के साथ सहयोग प्रदान किया है। इस समझौता ज्ञापन के तहत होरिबा इंडिया आईआईटी रूड़की में यूजी (ईडब्ल्यूएस) कैटेगरी के छात्रों को ट्यूशन शुल्क में एक बार की छूट के लिए सहयोग प्रदान करेगी। इस छात्रवृत्ति को होरिबा टैलेंट हंट स्कॉलरशिप के नाम से जाना जाएगा।
18 मेधावी छात्रों के समूह को आईआईटी रूड़की के डायरेक्टर प्रोफेसर केके पंत तथा डॉ राजीव गौतम, कॉपोरेट ऑफिसर, होरिबा लिमिटेड, प्रेजीडेन्ट, होरिबा इंडिया के द्वारा यह छात्रवृत्ति दी गई। डॉ राजीव खुद आईआईटी रूड़की के पूर्व छात्र हैं।
पुरस्कार समारोह के दौरान आईआईटी रूड़की के प्रोफेसर केके पंत, डायरेक्टर पार्था रॉय डीन ऑफ रिसोर्सेज एण्ड एल्युमनाई अफेरूर्स (डीओआरए), प्रोफेसर धीरज खातोड़ चेयरपर्सन सीनेट कमेटी फॉर स्कॉरलशिप एण्ड प्राइजेज (एससीएसपी), प्रोफेसर संदीप सिंह, डिपार्टमेन्ट ऑफ अर्थ साइंसेज और होरिबा के अधिकारी- डॉ राजीव गौतम, कॉपोरेट ऑफिसर, होरिबा लिमिटेड, जापान और प्रेजीडेन्ट, होरिबा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड मौजूद थे, जो खुद आईआईटी रूड़की के पूर्वछात्र हैं।

चाकू लेकर घूम रहे दो लोग गिरफ्तार

रुड़की/टीम एक्शन इंडिया
कलियर थाना पुलिस ने चाकू लेकर घूम रहे लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से दो चाकू बरामद किया है। पुलिस ने संदिग्ध लोगों की तलाश में चलाए जा रहे अभियान के तहत बीती रात कलियर से मुकर्रम पुर गांव निवासी सलीम अली और उत्तर प्रदेश के बिजनौर के नगीना निवासी राकेश कुमार को गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों के पास से दो चाकू बरामद किए। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

ई रिक्शा चालकों ने ऋषिकेश स्टेशन के बाहर किया प्रदर्शन

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
चार धाम यात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन द्वारा ई रिक्शा चालकों के लिए लागू किए गए नए प्लान के विरोध में नगर के तमाम ई रिक्शा चालकों ने योग नगरी ऋषिकेश रेलवे स्टेशन के बाहर प्रदर्शन कर अपना विरोध प्रकट किया।
ई रिक्शा चालक एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय शर्मा का कहना है कि तमाम बेरोजगारों ने ई रिक्शा बैंक और प्राइवेट फाइनेंसरों से कर्ज पर लेकर अपना व्यवसाय शुरू किया है, जोकि परिवहन विभाग की ओर से निर्धारित मार्गों पर अपने वाहनों का संचालन कर

रहे हैं। इसका लाभ राजकीय चिकित्सालय में आने वाले मरीजों के साथ बुजुर्ग लोगों द्वारा भी उठाया जा रहा है। परंतु पुलिस प्रशासन द्वारा नगर में अब उनकी ई रिक्शा के संचालन को प्रतिबंधित कर दिया है। उनका कहना है कि उनके ई रिक्शा को जयराम आश्रम मार्ग तक आने दिया जाए।
पुलिस विभाग का कहना है कि इनके संचालन को पुराने बस अड्डे तक अनुमति दी गई है, जिससे इससे यातायात को सुचारू रूप से नगर में चलाया जा सके। लेकिन ई रिक्शा चालक अपनी जिद पर अड़े हैं और वह नगर में भी संचालन की मांग कर रहे हैं।

पतंजलि आयुर्वेद को प्रमाणों व वैज्ञानिक डेटा के साथ दुनिया में ले जा रहा है: कमलेश

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
आध्यात्मिक मार्गदर्शक, हार्टफुलनेस मेडिटेशन ट्रस्ट के अन्तरराष्ट्रीय प्रमुख तथा पद्म भूषण पुरस्कार विजेता कमलेश पटेल 'दा' जी पतंजलि विश्वविद्यालय पहुंचे।
विश्वविद्यालय के सभागार में विशेष वार्ता और ध्यान सत्र का संचालन किया गया। इस अवसर पर योगऋषि स्वामी रामदेव, आचार्य बालकृष्ण व उत्तराखंड के शिक्षा मंत्री धनसिंह रावत उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को हार्टफुलनेस के योग और ध्यान सत्र से जुड़ने तथा आध्यात्मिकता और चेतना के विकास पर दा जी का मार्गदर्शन प्राप्त करने हेतु आयोजित किया गया था।
इस अवसर पर दा जी ने पतंजलि अनुसंधान संस्थान का भ्रमण कर पतंजलि की शोधपरक गतिविधियों का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद के क्षेत्र में पूर्ण वैज्ञानिक मापदण्ड के अनुरूप शोध अंतरराष्ट्रीय स्तर पर केवल पतंजलि में ही किया जा रहा है। आयुर्वेद प्रामाणिक उपचार पद्धति है, लेकिन पश्चिमी दुनिया को यह बताने के लिए प्रमाणों तथा वैज्ञानिक डेटा की आवश्यकता है, जो पतंजलि के द्वारा किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि ध्यान को सहज और सुखमय बनाओ, नहीं तो वह बोझ बन जाएगा। साधना

का अभ्यास इस तरह करें कि दूसरे आपसे प्रेरणा लें।
इस अवसर पर योगऋषि स्वामी रामदेव ने कहा कि श्री राम चन्द्र मिशन हार्टफुलनेस का कुशल नेतृत्व आज दा जी जैसा व्यक्तित्व कर रहा है। उन्होंने कहा कि व्यवसाय, कार्य और सांसारिक जीवन का अपना स्थान है, लेकिन ध्यान और आत्मा वास्तविकता है। दा जी ने हमें इस संतुलन को बनाए रखने हेतु प्रेरित किया है।
कार्यक्रम में आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि जब एक संतति संन्यासी बन जाता है, तो वह 21 पीढ़ियों के उद्धार में सहायक होता है। लेकिन जब एक संन्यासी दिव्य हो जाता है, तो वह सारे संसार का उद्धार करता है।
शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत ने कहा कि हमारा सौभाग्य है कि आज यहां दा जी और बाबा रामदेव जैसे महानायक एक साथ उपस्थित हैं। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद एक प्राचीन विज्ञान है जो हमें हमारे ऋषियों द्वारा अनुसंधित है।

चारधाम आने वाले यात्रियों की सुरक्षा के लिए मार्गों पर रहेगी चाक-चौबंद व्यवस्था: चंदन राम

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड राज्य के परिवहन मंत्री चंदन राम दास ने कहा कि वर्ष 2023 में आयोजित चार धाम यात्रा में पिछली बार की अपेक्षा काफी अधिक संख्या में मंदिरों के दर्शन के लिए यात्री आ रहे हैं, जिनकी सुरक्षा करना सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए सभी विभागों से समन्वय स्थापित कर टीम भावना से कार्य किया जाएगा। इसी के साथ धामों पर खाने के लिए वैष्णो ढाबे भी खोले जाएंगे।
परिवहन मंत्री चंदन राम दास ने ये बातें सोमवार को संभागीय परिवहन कार्यालय ऋषिकेश में चारधाम यात्रा में आने वाले यात्रियों के विश्राम गृह उप सम्भागीय परिवहन कार्यालय में नवनिर्मित वातानुकूलित प्रतीक्षालय का उद्घाटन और वाहन स्वामियों को ग्रीनकार्ड वितरण करने के साथ उप सहायक संभागीय परिवहन

कार्यालय में नवनिर्माण कार्य की प्रगति का अवलोकन करने के उपरांत पत्रकार वार्ता में कही। उन्होंने कहा कि पिछली बार यात्रा के दौरान कुछ कमियां थी, जिसका संज्ञान लेते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री सहित परिवहन से जुड़े तमाम कंपनियों के साथ बातचीत कर उनका समाधान भी किया गया है। उन्होंने कहा कि चार धाम पर जाने वाले यात्री बड़ी श्रद्धा के साथ मंदिरों के दर्शन करने के लिए आते हैं। हमारी अपेक्षा रहेगी कि वह यहां से अच्छा संदेश लेकर जाएं। मंत्री ने कहा कि चार धाम पर यात्रियों को ले जाने वाले वाहन चालकों को भी अच्छी सुविधा दिए जाने का प्रयास किया जा रहा है। उनके लिए अच्छे खाने के साथ उनके आराम करने की व्यवस्था भी सरकार की ओर से की जा रही है, जिसके कारण वाहन चालक तनावमुक्त भी रहेगा और यात्रियों को सुखद पूर्वक यात्रा भी करवाएगा। उन्होंने बताया कि 12 अप्रैल को एक बार फिर सभी विभागों की संयुक्त बैठक भी बुलाई जा रही है। तमाम विभागों को निर्देशित कर दिया गया है कि वह सड़कों को गड्ढा मुक्त बनाएं, जिससे दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि यात्रियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए यात्रियों के पास आयुष्मान कार्ड ना होने पर उन्हें तमाम सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।
परिवहन मंत्री ने बताया कि यात्रा मार्ग पर स्वास्थ्य की दृष्टि से 50 एटीएम सेंटर भी खोले जा रहे हैं। इतना ही नहीं सरकार ने दुर्घटना के दौरान लोगों को परेशानियों से बचाए जाने के लिए देशभर के बड़े अस्पतालों से भी संपर्क कर उन्हें चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराए जाने की व्यवस्था भी की है। उन्होंने कहा कि इस बार चार धाम यात्रा पर सीएनजी और इलेक्ट्रिकल वाहनों को भी संचालित की जाएगा। इसी के साथ साढ़े तीन सौ वाहनों को सरप्लस रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि इस बार वाहनों का किराया नहीं बढ़ाया जाएगा। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि रोडवेज को 20 करोड़ के घाटे से बचाकर 20 लाख के प्रॉफिट में लाया गया है। उन्होंने सरकार द्वारा वाहनों में लगाए जाने वाली डिवाइस के लाभ की जानकारी भी दी। उन्होंने संयुक्त रोटेशन के पदाधिकारियों से भी आग्रह किया कि वह प्रशिक्षित चालकों को ही यात्रा पर भेजें।
इस दौरान आरटीओ सुनील कुमार शर्मा ने कहा कि इस बार चार धाम यात्रा पर चेकपोस्ट हाईटेक होगी, जिसके कारण जाम की स्थिति पैदा नहीं होने दी जाएगी। इसी के साथ यात्रा पर जाने वाले वाहनों को जगह-जगह रोक कर चेक करने की व्यवस्था नहीं रहेगी। जिसके लिए टीमें गठित हैं।
उन्होंने कहा कि चार धाम पर जाने वाली टैक्सी गाड़ियों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने बताया कि परिवहन विभाग द्वारा इस प्रकार की व्यवस्था की गई है कि धामों के दर्शन करने वाले यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा ना हो।

संपादकीय

बूढ़े बांध, बड़ी चिंता

यूनाइटेड नेशंस यूनिवर्सिटी ने 2021 में अपनी रिपोर्ट में दुनिया को बड़े बांधों के खतरों के संदर्भ में आगाह किया था। इसमें चेतावनी दी गई थी कि अगले 29 वर्षों में दुनिया की आधी से ज्यादा आबादी ऐसे बड़े बांधों के साये में होगी जो या तो अपनी उम्र पूरी कर चुके हैं या पूरी करने वाले हैं। इस हालात से भारत की संसद भी अवगत है। देश के पुराने बांधों की सुरक्षा पर गठित एक संसदीय समिति ने पिछले महीने चिंता जताई है। उसने अपनी रिपोर्ट 20 मार्च को संसद को सौंपी है। समिति ने अपनी रिपोर्ट देश के 100 साल से अधिक पुराने बांधों पर चिंता जताते हुए इन्हें बंद करने की सलाह दी है। समिति ने कहा है कि भारत में 100 साल से अधिक पुराने 234 बड़े बांध हैं। इनमें से कुछ तो 300 साल से भी ज्यादा पुराने हैं। देश में इस समय 5,334 बड़े बांध हैं। 411 अन्य बड़े बांध निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं। महाराष्ट्र 2,394 बांधों के साथ पहले स्थान पर है,। मध्य प्रदेश और गुजरात बांधों की संख्या के लिहाज से दूसरे और तीसरे पायदान पर हैं। इसके बाद जल शक्ति मंत्रालय की तंद्रा भंग हुई है। उसने सिफारिश की है कि बांधों के जीवन और संचालन का आकलन करने और एक व्यवहार्य तंत्र को विकसित किया जाए। मंत्रालय का कहना है कि राज्यों को भी उन बांधों को बंद करने के लिए राजी किया जाए, जो अपनी उम्र पूरी कर चुके हैं। वर्ल्ड रजिस्टर ऑफ लार्ज डैम्स का कहना है कि दुनिया में 58,713 बड़े बांध हैं। इनमें से सबसे ज्यादा चीन में 23841 बड़े बांध हैं। इसके बाद अमेरिका 9,263 का नंबर आता है। करीब 93 फीसदी बड़े बांध केवल 25 देशों में स्थित हैं। ऐसे देशों में भारत भी एक है। दुनिया में बड़े बांधों का निर्माण पिछले 100 से भी ज्यादा वर्षों से किया जा रहा है। पारम्परिक रूप से इनका मकसद नदी जल को नियंत्रित करना था। मगर तेजी से बढ़ते समय चक्र के साथ अब इन्हें जल प्रबंधन, बाढ़ नियंत्रण, हाइड्रो इलेक्ट्रिसिटी और जलापूर्ति के लिए बनाया जाता है। इंटरनेशनल कमीशन ऑन लार्ज डैम्स बड़े बांधों को परिभाषित भी करता है। इस कमीशन केअनुसार 15 मीटर या उससे ऊपर की ऊंचाई और 30 लाख क्यूबिक मीटर से ज्यादा पानी को संजोने वाले बांधों को बड़े की श्रेणी में रखा जा सकता है। यूनाइटेड नेशंस यूनिवर्सिटी के मुताबिक अमेरिका में छोटे-बड़े सभी 90,580 बांधों की औसत उम्र 56 वर्ष है। इनमें से करीब 85 फीसदी अपनी उम्र के अंतिम पड़ाव पर हैं। चीन में करीब 30000 बांध उम्रदराज हो चुके हैं। भारत में 1,115 बड़े बांध 2025 तक 50 वर्ष या उससे ज्यादा पुराने हो जाएंगे। 2050 तक भारत के करीब 4,250 बड़े बांध 50 वर्ष की उम्र पार कर जाएंगे। 64 बड़े बांध 150 वर्ष या उससे ज्यादा पुराने होंगे। भारत में केरल के इडुक्की जिले का मुल्लापेरियार बांध 125 साल से ज्यादा का हो चुका है। इसे 1895 में अंग्रेजों ने बनाया था। यह बड़ा सच है कि पहाड़ी राज्यों में प्राकृतिक आपदा के समय बड़े बांधों के टूटने और उससे जानमाल की भारी क्षति होने की आशंका बरकरार रहती है। मगर कुछ लोग इसके विपरीत भी सोचते हैं। मसलन साल 2013 में उत्तराखंड के तत्कालीन मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा ने कहा था कि यदि टिहरी बांध न होता तो ऋषिकेश, हरिद्वार और पश्चिमी उत्तर प्रदेश जलप्लावित हो गए होते। तब केंद्रीय विश्वविद्यालय गढ़वाल के आपदा प्रबंधन शोध अधिकारी डॉ. एसपी सती ने कहा था कि यह अर्द्धसत्य है।

राइट टू हेल्थ बिल पर हंगामा है क्यों बरपा ?

सुनील कुमार महला

> रोगी को सरकारी अस्पताल भेजने से पहले, कई आपात स्थितियों में रोगी को सार्वजनिक सुविधा में भेजने से पहले उसे स्थिर करने में उच्च लागत नहीं लगती। उदाहरण के लिए, दौरों के ज्यादातर रोगियों को गंभीर मामलों में भी सस्ती देखभाल की ही जरूरत होती है। तीसरी, मुख्यमंत्री दुर्घटना बीमा योजना नामक राज्य सरकार की एक योजना पहले से ही मौजूद है जो प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) के राज्य संस्करण चिरंजीवी योजना के साथ जुड़ी हुई है। यह योजना सभी दुर्घटना पीड़ितों को मुफ्त आपातकालीन देखभाल की सुविधा देती है, भले ही उनकी बीमा स्थिति कुछ भी हो। सरकार को इसका दायरा बढ़ाकर सभी तरह की आपात देखभाल को इसमें शामिल करना चाहिए। लागत का कुछ हिस्सा उन अस्पतालों द्वारा वहन किया जा सकता है

स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर इन दिनों राजस्थान उबाल पर है। यह देश की पहली ऐसी राज्य सरकार है, जिसने संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत लाया राइट टू हेल्थ बिल 2022 बीती 21 मार्च को पारित किया है। विधेयक के प्रावधानों से असंतुष्ट लगभग 2,500 निजी अस्पतालों के डॉक्टर सड़कों पर हैं। इस वजह से राज्य की स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह से लड़खड़ा गई हैं। वहीं यह विधेयक उन मरीजों के लिए बहुत ही लाभकारी बताया जा रहा है, जो निजी अस्पतालों का भारी-भरकम खर्च नहीं उठा सकते। इसे राजस्थान विधानसभा के पटल पर सितंबर 2022 में ही रखा गया था, लेकिन विपक्ष और डॉक्टरों की मांग पर इसमें कुछ संशोधन किए गए। इमरजेंसी की विशेष व्याख्या करते हुए इसमें दुर्घटना, पशुओं और सांप के काटने और प्रसव की जटिलताओं को भी शामिल किया गया। हालाँकि अब स्वास्थ्य सुविधाओं को मूलभूत अधिकार बनाने के ऐतिहासिक कानून का निजी अस्पताल और डॉक्टर अनुचित और असंगत तरीके से विरोध कर रहे हैं जबकि उन्हें प्रसन्न होना चाहिए था कि आखिरकार लोगों को ऐसा अधिकार मिला जिसे आजादी के 75 साल बाद भी नहीं दिया जा रहा था।राजस्थान में डॉक्टरों की तरफ से यह विरोध तब चरम पर पहुंच गया जब विधानसभा में इस किस्म का विधेयक आया और शुरूआती बाधाओं के बावजूद उसे पारित कराने का प्रयास किया जा रहा था। इस विधेयक को पिछले सत्र में ही पारित होना था लेकिन इसे प्रवर समिति को भेज दिया गया। अब विधानसभा के हाल के सत्र में 21 मार्च को राइट टु हेल्थ यानी स्वास्थ्य का अधिकार बिल पारित किया गया है। निजी अस्पतालों और डॉक्टरों का जोरदार और परेशान करने वाला विरोध इस विधेयक के समर्थन में मजबूत सिविल सोसाइटी आंदोलन के खिलाफ है जो अधिकार के तौर पर राजस्थान के सभी लोगों के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य केन्द्रों में सभी किस्म की निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग कर रहा है। यह विधेयक ब्रिटेन में राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) और यूरोप में अन्य विकसित देशों-जैसे मॉडलों के आधार पर बनाया गया है। 1945 से 1951 तक इंग्लैंड में स्वास्थ्य मंत्री रहे एनएचएस के योजनाकार ने काफी पहले कहा था कि ह्यबीमार होना न तो ऐसा भोग-विलास है जिसके लिए लोगों को पैसे देने पड़ें, न ऐसा अपराध है जिसके लिए उन्हें दंडित किया जाए बल्कि ऐसी विपत्ति है जिसकी भरपाई पूरे समुदाय को मिल-जुलकर करनी चाहिए।

सीआईआई द्वारा आयोजित एशियाई स्वास्थ्य सम्मेलन में प्रस्तुत आंकड़े के अनुसार, भारत में कम-से-कम 5 से 6 करोड़ लोग स्वास्थ्य खर्चों की वजह से गरीबी में डूब जाते हैं। पिछले साल जारी नवीनतम राष्ट्रीय स्वास्थ्य रिपोर्ट में बताया गया कि पूरे भारत में 2018-19 में स्वास्थ्य पर औकात से बाहर खर्च 2.88 लाख करोड़ था जो वर्तमान स्वास्थ्य खर्च का 53.23 प्रतिशत था, मतलब परिवारों ने वस्तुतः सरकार से अधिक खर्च किया। राजस्थान इन सबको खत्म करने की दिशा में काम करने वाला पहला राज्य होगा जो पूरे देश में इसी तरह की सुविधा देने की सही मांग को दिशा देगा। लेकिन डॉक्टरों के प्रदेश संघ, खास तौर से वे जो निजी डॉक्टरों और निजी अस्पतालों का प्रतिनिधित्व करते हैं, ने इसका जी जान से विरोध किया है। उन लोगों ने यहां तक धमकी दी है कि अगर विधेयक को वापस नहीं लिया गया, तो वे हड़ताल पर चले जाएंगे। इन लोगों ने तीन महत्वपूर्ण मांगें की हैं जिनमें से कोई भी रोगियों के लिहाज से विधेयक को बेहतर नहीं बनाता। विधेयक में एक खास प्रावधान है: किसी भी आपातकालीन स्थिति में सरकारी या निजी अस्पताल में सभी निवासियों को बिना नगद और निःशुल्क चिकित्सा उपलब्ध कराई जाएगी। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि यह सुनिश्चित करते हुए इसमें हजारों जानों को बचाने की संभावना है कि ऐसी हालत में किसी बीमार का निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र पर समय पर इलाज किया जा सकेगा- भले ही उसकी भुगतान करने की क्षमता हो या नहीं। इसलिए, यह बात ज्यादा चक्कर में डालने वाली है कि आखिर, डॉक्टर ऐसे प्रावधान के खिलाफ क्यों हैं जो जीवन बचाने वाले हैं। निजी स्वास्थ्य प्रदाताओं में आशंका है कि आपातकालीन देखभाल की लागत के बारे में कुछ भी नहीं कहा जा सकता और यह बहुत अधिक भी हो सकती है।

हकीकत यह है कि कई मायनों में इस डर को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है। पहली बात यह है कि कुछ ही आपात मामले निजी अस्पताल में जाते हैं। दूसरी अहम बात यह है कि सभी आपात मामलों में ज्यादा खर्च हो, जरूरी नहीं। रोगी को सरकारी अस्पताल भेजने से पहले, कई आपात स्थितियों में रोगी को सार्वजनिक सुविधा में भेजने से पहले उसे स्थिर करने में उच्च लागत नहीं लगती। उदाहरण के लिए, दौरों के ज्यादातर रोगियों को गंभीर मामलों में भी सस्ती देखभाल की ही जरूरत होती है। तीसरी, मुख्यमंत्री दुर्घटना बीमा योजना नामक राज्य सरकार की एक योजना पहले से ही मौजूद है जो प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) के राज्य संस्करण चिरंजीवी योजना के साथ जुड़ी हुई है। यह योजना सभी दुर्घटना पीड़ितों को मुफ्त आपातकालीन देखभाल की सुविधा देती है, भले ही उनकी बीमा स्थिति कुछ भी हो। सरकार को इसका दायरा बढ़ाकर सभी तरह की आपात देखभाल को इसमें शामिल करना चाहिए। लागत का कुछ हिस्सा उन अस्पतालों द्वारा वहन किया जा सकता है जिन्होंने भूमि सब्सिडी के रूप में सरकार से लाभ ले रखा है और जहां चिरंजीवी योजना आदि के माध्यम से रोगी पहुंच रहे हों। दूसरी मांग जिला और राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरणों में डॉक्टरों के संघ के प्रतिनिधित्व की है। यह उचित मांग है। स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने की जरूरत है ताकि न केवल डॉक्टरों बल्कि नर्सों, एएनएम और आशा को भी इसमें शामिल किया जा सके जो गांवों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा की बड़ी जिम्मेदारी निभाते हैं। साथ ही, जैसा कि सिविल सोसाइटी समूहों ने मांग की है, प्रतिनिधित्व में सिविल सोसाइटी समूहों, रोगियों के समूहों और नागरिकों के समूहों को शामिल किया जाना चाहिए। तीसरी महत्वपूर्ण मांग उस प्रावधान को हटाने से जुड़ी है जो अधिनियम के तहत स्थापित शिकायत निवारण तंत्र के समक्ष लंबित किसी भी मामले में सिविल अदालतों में अपील करने पर रोक लगाता है। कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी मामले में ऐसा प्रतिबंध कानूनन गलत और न्याय के अधिकार के खिलाफ है। सरकार को इसे हटाना चाहिए। राजस्थान स्वास्थ्य का अधिकार अधिनियम एक सही कानून है और यह सरकारी स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने और समान स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने में सुधार के लिए एक कानूनी ढांचा प्रदान करेगा और आने वाले समय में दूसरे राज्य भी उसका अनुसरण करेंगे। पहले से मौजूद योजनाएं भी इस पर असमंजस की स्थिति बना रही हैं। राज्य सरकार ने इसी साल के बजट में चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में 10 लाख रुपये तक मुफ्त इलाज की सुविधा को बढ़ाकर 25 लाख कर दिया। इस योजना में सरकार ने 1 अप्रैल 2022 से 31 दिसंबर 2022 के बीच 1,940 करोड़ रुपये का भुगतान किया था। दूसरी योजना सरकारी कर्मचारियों, मंत्रियों, पूर्व और वर्तमान विधायकों के लिए है। तीसरी 'निशुल्क निरोगी राजस्थान योजना' में सरकारी अस्पतालों में मुफ्त दवा, सभी ओपीडी-आईपीडी और रजिस्ट्रेशन की सुविधा है। इसमें मार्च 2022 से दिसंबर 2022 तक 1,072 करोड़ रुपये खर्च हुए। चौथी, निशुल्क टेस्ट योजना में मेडिकल कॉलेजों से संबंधित सरकारी अस्पतालों में 90 टेस्ट मुफ्त में कराने की सुविधा है। हालाँकि अधिकांश डॉक्टरों का कहना है कि कानून ने उन्हें मरीजों को मुफ्त में सभी सेवाएं प्रदान करने के लिए मजबूर कर दिया है। हालांकि, कानून में जिन मुफ्त सेवाओं की बात की गई है, वे ज्यादातर सरकारी संस्थानों के लिए हैं।

कविता

आशाओं के दीप जलाए रखनाँ

जिंदगानी के दीप जलाए रखना, संकट से
अपने को बचाए रखना।

समय विपरीत है आतताई है काल,
मनोबल ऊंचा,आकाशीय बनाए रखना'

संगी छूटे, साथी छुटे,छूटे रिश्तेदार।
इस समय मनोबल बनाये रखना।

ना हो निराश,ना छुटे आत्मबल इस घड़ी में,
सबके हिम्मत की डोर बनाये रखना।

अकेले पड़ गए हो, ऐसा कभी न सोचो ।
परमपिता की आस्था पर दीप जलाए रखना।

आत्मबल, आत्मशक्ति, संयम और ईश्वरीय शक्ति।
बड़ी औषधि है यह, प्रार्थना मन में सजाए रखना।

जीवन संकट में है, इससे तो जीतना ही होगा।
आशाओं पर आकाश टिका है ये आश जगाये रखना।

रामजी करेंगे भव-सागर की नैया पार।
इस नैया का खेवनहार अपने को बनाए रखना।

संजीव

राजस्थान में कब बनेगा जाट मुख्यमंत्री

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान के जयपुर में पिछले दिनों जाट महाकुंभ का आयोजन किया गया था। जिसका उद्देश्य पूरी तरह राजनीतिक था। आठ महीने बाद राजस्थान विधानसभा के चुनाव होने हैं। जाट समाज का प्रदेश की राजनीति में बहुत प्रभाव है। इस सम्मेलन का उद्देश्य राजनीति में जाट समाज की भागीदारी को बढ़ाना था। राजस्थान में लोकसभा के 6 व विधानसभा के करीबन 33 सदस्य जाट समुदाय से आते हैं। राजस्थान में जाट समाज की आबादी भी 12 प्रतिशत से अधिक है। इतना अधिक प्रभाव होने के बाद भी आज तक राजस्थान में जाट मुख्यमंत्री नहीं बन सका है। इसी बात को लेकर जाट समाज के लोगों में नाराजगी है। राजस्थान के गंगानगर, हनुमानगढ, बीकानेर, चूरू, झुंझुनू ,सीकर, जयपुर, भरतपुर, नागौर, अजमेर, चित्तौड़गढ, भीलवाड़ा, पाली, जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर सहित कई जिलों में जाट समाज का बहुत प्रभाव है। इन जिलों के लोकसभा व विधानसभा चुनाव में जाट मतदाता निर्णायक भूमिका निभाते हैं। जिस तरफ जाट समाज का झुकाव होता है उसी पार्टी के प्रत्याशियों की जीत होती है। संख्या में सबसे अधिक होने के उपरांत भी जाट समाज के नेताओं को राजनीति में पर्याप्त महत्व नहीं मिल पाया है। राजस्थान के जाट मतदाता पांच दशक तक लगातार कांग्रेस पार्टी को एक तरफा समर्थन देते रहे थे। देश की आजादी के बाद रियासतों को समाप्त करने से जाट समाज का जुड़ाव कांग्रेस से हो गया था। राजस्थान में जाट समाज कांग्रेस का मजबूत वोट बैंक माना जाता था। जाट समाज के कई ऐसे बड़े नेता हुए जो प्रदेश व देश की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे। बलदेव राम मिर्धा बड़े नेता थे जिन्होंने जाट समाज के लोगों को संगठित करने का काम किया था। देश की आजादी के बाद राजनीति में कुंभाराम आर्य, सरदार हरलाल सिंह, नाथूराम मिर्धा, रामनिवास मिर्धा, परसराम मदेरणा, कमला, दौलत राम सारण, सुमित्रा सिंह, रामनारायण चौधरी, शीशराम ओला, शिवनाथसिंह गिल, रामदेव सिंह महरिया, डॉक्टर हरिसिंह, नारायण सिंह, कामरेड संपत सिंह, मनफूल सिंह भादू, हेमाराम चौधरी, महादेव सिंह खंडेला, नटवर सिंह, बलराम जाखड़, लालचंद कटारिया, नरेंद्र बुडानिया, सांवरलाल जाट, राजा मानसिंह, महाराजा विश्वेंद्र सिंह, हनुमान बेनीवाल, कैलाश चौधरी, गोविंद सिंह डोटासरा, सतीश पूनिया जैसे बड़े व प्रभावी जाट नेता रहे हैं। जो अपने-अपने पार्टियों में बड़े पदों पर रहकर राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एक समय में तो चौधरी कुंभाराम आर्य, नाथूराम मिर्धा, परसराम मदेरणा जैसे दिग्गज जाट नेता थे जिनकी बात को टालने की हिम्मत किसी मुख्यमंत्री में भी नहीं होती थी। चौधरी कुंभाराम आर्य तो इतने प्रभावशाली नेता थे कि कलेक्टरों तक कि उनके चेंबर में जाने की हिम्मत नहीं होती थी।

विचार

काश, अजय बांगा-गुनीत मौंगा से प्रेरित होते खालिस्तान समर्थक

आर.के. सिन्हा

आजकल ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, कनाडा और अमेरिका में कुछ भटके हुए सिख नवयुवक न जाने किस भ्रम में काल्पनिक खालिस्तान की मांग करते हुए दिखाई देने लगे हैं। इन पर गुस्से से ज्यादा तरस ही आता है। अपने महान गुरुओं की धरती पंजाब और भारत को लेकर ये जिस तरह से अनाप-शनाप बकवास कर रहे होते हैं, वह बेहद अशोभनीय होती है। वे यह समझ लें कि अब भारत कभी भी विभाजित नहीं होगा। भारत के बंटवारे का ख्वाब देखने वालों को निराशा ही होगा। इस बिन्दु पर 140 करोड़ भारतीय एक हैं। कहीं कोई विवाद नहीं है। अब वह जमाना गया जब अपनी-अपनी नेतागिरी चमकाने और प्रधानमंत्री बनने के लिए नेहरु और जिन्ना ने हिन्दुस्तान-पाकिस्तान बाँट लिया कअब वैसा होने से रहा क ाश, खालिस्तान के पक्ष में नारेबाजी करने वाले अजय बांगा और गुनीत मौंगा से कुछ प्रेरणा ले लेते। ये दोनों भी कट्टर सिख हैं और इनकी हालिया उपलब्धियों पर सारा देश गर्व कर रहा है। बांगा उस वर्ल्ड बैंक के अध्यक्ष बनने जा रहे हैं, जिसके 189 सदस्य देश हैं, जिनमें 170 देशों के नागरिक संसार के 130 शहरों में काम कर रहे हैं। बेशक, गरीबी को खत्म करने तथा विकास का रास्ता दिखाने वाले वर्ल्ड का प्रमुख बनने जा रहे बांगा की उपलब्धि पर सारा भारत खुश है। अजय बांगा एक शूरवीर के पुत्र हैं। उनके पिता हरभजन सिंह बांगा भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट जनरल पद से रिटायर हुए थे। उन्होंने 1962, 1965 और 1971 की जंगों में शत्रु सेना के दांत खट्टे कर दिए थे। अजय बांगा का परिवार बहुत आस्थावान सिख परिवार है। अजय बांगा बेहतरीन मोटिवेशल स्पीकर भी हैं। उनके नेतृत्व में ही मास्टर कार्ड नाम की कंपनी ने अपनी निकटतम प्रतिद्वंद्वी वीजा कार्ड को पछाड़ा था। अजय बांगा ने मास्टरकार्ड को मोबाइल पेमेंट के क्षेत्र में पहले नंबर पर पहुंचाया। वे हिन्दी, पंजाबी, इग्लिश के अलावा गुजराती भी बोल लेते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 2015 की अमेरिका यात्रा के समय उनसे फार्च्यून-500 कंपनियों के सीईओज मिले थे। उनमें अजय बांगा भी थे। बांगा को बैंकिंग और फाइनेंस की दुनिया का एक्सपर्ट माना जाता है। बांगा को अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अपनी ट्रेड पॉलिसी से जुड़ी सलाहकार टीम में लिया था। अब वे वर्ल्ड बैंक के अध्यक्ष बनने जा रहे हैं। जाहिर है कि उनकी सलाह से सदस्य देशों को लाभ होगा। अजय बांगा वर्ल्ड बैंक के अध्यक्ष पद पर रहते हुए उन देशों के लिए विशेष योजनाएं लाएंगे जो विकास की दौड़ में बहुत पिछड़ गए हैं।

अगर बात गुनीत मोंगा की करें तो उन्हें उनकी फिल्म 'द एलीफेंट विस्परर्स' के लिए आस्कर सम्मान मिला है। 'द एलीफेंट विस्परर्स' को बेस्ट डॉक्यूमेंट्री शॉर्ट कैटेगरी में नॉमिनेट किया गया था। गुनीत मोंगा के बारे में देश को तब कायदे से पता चला जब उन्होंने लंच बॉक्स, मानसून शूट आउट तथा गैंग्स ऑफ वासेपुर जैसी फिल्मों को प्रोड्यूस किया। ये सभी फिल्में हिट हुईं और इन्हें दर्शकों तथा समीक्षकों का समान रूप से प्यार मिला। पहले वर्ल्ड बैंक के अध्यक्ष बन रहे अजय बांगा और और फिर गुनीत मोंगा ने देश का नाम रोशन किया है। यह सच है कि अजय बांगा अब अमेरिकी नागरिक बन चुके हैं। पर उन्हें अपने भारतीय मूल का होने पर गर्व है। वे बार-बार भारत आते हैं। वे भारत से दूर जा भी नहीं सकते। आखिर यही उनका देश है। उनकी मातृभूमि है उधर, मूल रूप से दिल्ली की रहने वाली गुनीत मोंगा अब मुंबई में रहती है। गुनीत मोंगा जब आस्कर पुरस्कार लेने गई तब उन्होंने साड़ी पहनी हुई थी और उन्होंने कहा कि उन्हें भारतीय होने पर नाज है। जिन खालिस्तानियों ने लंदन में भारतीय तिरंगे का अपमान किया उन्हें नींद कैसे आती होगी। वे तो अब अमर शहीद भगत सिंह को भी गालियां दे रहे हैं। उन्हें डूब के मर जाना चाहिए। उनके लिए मरने का इससे बेहतर कोई रास्ता नहीं हो सकता।

जिस भारत माता के प्रति हरेक हिन्दुस्तानी अपनी जान का नजराना देने के लिए तैयार रहता है, वे उसके लिए अपशब्द बक रहे हैं। वे भारत में आकर क्यों नहीं भारत माता और भगत सिंह के लिए अपशब्दों का प्रयोग करते। एक बार करके देखें तो सही। उन्हें तब जन्नत की हकीकत को सामने से देखने का मौका मिलेगा। पर ये तो कायर हैं।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआईः UTTHIN / 2009 / 31653

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक, राकेश भारद्वाज द्वारा मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, ए-15, बड़ा बाग, जीटी करनाल रोड इन्डस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली-33 से मुद्रित एवं 7/1 बल्लूपुर रोड, डॉ. टी पटनायक के सामने, कृष्णा नगर चौक के पास देहरादून, उत्तराखंड से प्रकाशित। एक्शन इंडिया में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक या प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र देहरादून ही होगा।

सम्पादकः रवि भारद्वाज (+919999889104)
actionindiaddn@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अतः समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

चिंतन

अहिंसा पथ के शांति पथिकः महावीर

डॉ. घनश्याम बादल

संन्यास से पूर्व के वर्धमान महावीर स्वामी का जीवन त्याग और तपस्या का साक्षात उदाहरण है। उनके अनुसार सत्य के पक्ष में रहते हुए किसी के हक को मारे बिना, किसी को सताए बिना, अपनी मयार्दा में रहते हुए पवित्र मन से, लोभ लालच किए बिना, नियम से बंधकर सुख - दुख में समान आचरण करके ही सार्थक जीवन जिया जा सकता है। महावीर कहते थे -ह्यअगर तुम जीना चाहते हो तो दूसरे को भी जीने दो। तभी तुम जी सकते हो, अन्यथा नहीं । दूसरों की शांति भंग मत होने दो , तभी सच्ची शांति प्राप्त हो सकती है।' जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर व दुनिया को अहिंसा व सच के रास्ते पर लाने वाले त्याग, संयम, प्रेम, करुणा, शील और सदाचार की प्रतिमूर्ति भगवान महावीर स्वामी का जन्म चैत्र त्रयोदशी को उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र में, सोमवार, 27 मार्च, 598 ईसा पूर्व के मांगलिक प्रभात में वैशाली के राजा सिद्धार्थ के घर हुआ था ।

तीर्थंकर महावीरः मान्यता है कि महावीर स्वामी का तीर्थंकर के रूप में जन्म उनके पिछले अनेक जन्मों की सतत साधना का परिणाम था।एक समय महावीर का जीव पुरूरवा भील था। संयोगवश उसने सागरसेन नाम के मुनिराज के दर्शन किये जो रास्ता भूल जाने के कारण उधर आ निकले थे। मुनिराज के धर्मोपदेश से उसने धर्म धारण किया और आजीवन धर्म पथ पर चला।महावीर के जीवन की वास्तविक साधना का मार्ग यहीं से प्रारम्भ होता है। इस बीच में उसे कौन-कौन से मार्गों से जाना पडा, जीवन में क्या-क्या बाधायें आईं और किस प्रकार भटकना पडा ? यह एक लम्बी और दिलचस्प कहानी है, जो सन्मार्ग का अवलम्बन कर जीवन के विकास की प्रेरणा देती है।

शांत पथिक का जीवनः महावीर स्वामी का जीवन एक शांत पथिक का जीवन था, जब अनंत बार भोग लेने के बाद भी उनके जीव को तृप्ति नहीं हुई तब भोगों से मन हट गया, किसी चीज की चाह नहीं रही। परकीय संयोगों से बहुत कुछ छुटकारा मिल गया। अब जो कुछ भी रह गया उससे भी छुटकारा पाकर महावीर मुक्ति की राह देखने लगे।

भूतियापा

डॉ. सुरेश कुमार

यहाँ सब मरे जा रहे हैं। हर पल हर मिनट हर घंटे। यह छद्म अमरता का भूतियापा जब किसी के सिर पर चढ़ जाता है तो वह उसे भूखा नंगा और दंगाई बनाकर छोड़ता है। अमरता की चाभी और भूतियापा का ताला मानो एक दूसरे के लिए बने हैं। जो इंसान बुखार में भी अमरता का स्वास्थ चाहता है वही सबसे जुनूनी कहलाता है। अब आपको क्या बताएं यहां अमरता प्राप्ति के लिए कौन-कौन, क्या-क्या और कैसे-कैसे जुगाड़ लगा रहा है। यहाँ अजीब होड़ लगी है। यहां जीतने के लिए दौड़ने की नहीं गिराने की जरूरत पड़ती है। अमरता की पागलपंती के लिए कोई लिख लिखकर बावला हुए जा रहा है तो कोई होर्डिंग, पोस्टर, ब्राउचर तो कोई पंपलेट पर लेट लेट कर अपनी हंसती छवि में खुद को पहुंची ही हस्ती सिद्ध करने में मरा जा रहा है। कोई भगवान के नाम पर चंदा तो कोई चंदे के नाम पर भगवान का धंधा कर रहा है।चंदे के धंधे में अमरता के बंदे हर गली चौराहों पर उछल कूद करते हुए मिल जाएंगे। यहां कोई पद पाने के लिए पदयात्रा कर रहा है तो कोई कुर्सी पाने के लिए कुर्सासन रहा है। कोई तुक्के के नाम पर बेतुकी बातें कर रहा है तो कोई तन मन धन की बात कर रहा है। सब के सब अमरता के भूतियापे में आकंठ डूबे हुए हैं। अमरता की इमरती के लिए कोई भेष बदलकर अवतारी बनने पर तुला है तो कोई अपनी ताकत के पेपरवेट के नीचे कागज सरीखे लोगो को दबाए रखा है। कुछ अपने मत के पथ पर तो कुछ पथ के मत पर अड़े हुए हैं। इनकी सार्वभौमिकता आतंक का पर्याय है। नैतिकता से शून्य अमरत्व पिपासु मूल्यों पर लंबी लंबी फेंके जा रहे हैं। गुरु की गुरुताई और चेले की धूरताई एक दूसरे पर भारी पड़ रही है। वेद पुराण उपनिषद का ज्ञान इन के लिए वनलाइनर बनकर रह गया है। नौजवानों की दुनिया में अमरता का खेला बुद्धिजीवी खेले जा रहे हैं। दिन को रात और रात को दिन बताए जा रहे हैं। झूठ को सच की तरह परोस कर हरिश्चंद्र को मात दिए जा रहे हैं। वहीं नौजवान सोशल मीडिया में ड्रीम एलेवन खेल-खेलकर अपनी तरह की भूतियापा पाना चाहते हैं।

न्यूज फ्लैश

ग्रामीणों ने दंबगों पर लगाया जोहड पर अवैध कब्जा करने का आरोप,

बापौली: गोयला कलां गांव के कुछ ग्रामीणों ने बीडीपीओ कार्यालय बापौली में पहुंचर बीडीपीओ शक्तिसिहं से मुलाकात करते हुए गांव के जोहड पर कुछ दंबगों द्वारा अवैध कब्जा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि गांव में जोहड पर अवैध कब्जा सरेआम करने से भविष्य में निकासी की समस्या पैछा हो सकती है। इसलिए समय रहते इसका समधान कराया जाए और अवैध कब्जा करने वालों पर कार्यवाही की जाए। इस पर बीडीपीओ ने तुरंत कार्यवाही करते हुए ग्राम सचिव व सरपंच को फोन कर जांच कर ठोस कार्यवाही करने और अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ प्रस्ताव पास कर एफआईआर करवाने के आदेश दिए। इस मौके पर सतपाल,मोनू रावल, ईशपाल धर्मसिहं, कर्मसिहं, सुरेश, तरसपाल, सतपाल आदि अनेक मौजूद थें।

हरियाणा व यूपी के अधिकारीयों की बैठक स्थगित

बापौली: हरियाणा यूपी सीमा विवाद को लेकर बापौली तहसील में हरियाणा व यूपी के अधिकारीयों सहित किसानों की बैठक आयोजित होनी थी, लेकिन यूपी के अधिकारीयों के कोर्ट सम्बधित कार्य होने के कारण ना आने से स्थगित हो गई। एसडीएम समालखा के आदेश पर हरियाणा के किसानों ने नायब तहसीलदार बापौली कैलाश चंद को मांग पत्र दिया, ताकि रिपोर्ट बनाकर उच्चाधिकारियों को अवगत कराई जला सकें। इस दौरान हरियाणा के रिसपुर गांव के किसान पूर्व सरपंच नरसिहं, पूर्व सरपंच रविन्द्र,बिशम्बर, तेजपाल,मोनू आदि अनेक ने बताया कि उनकी फसल पक कर तैयार है और यूपी के किसान उनकी फसल पर अपना हक जता रहे है, जबकि उक्त फसल को उन्होने ही काश्त किया है। और उक्त जमीन भी उनकी ही है। इस पर तहसीलदार ने कहा कि जांच कर आगामी कार्यवाही के लिए रिर्पोट उच्चाधिकारीयों को भेज दी जाएगी।

वैश्य स्कूल का समालखा को शिक्षित करने में बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान: डॉ अर्चना गुप्ता

समालखा: वैश्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय द्वारा नए शिक्षा सत्र की शुरूवात से पूर्व हवन यज्ञ एवं विधि-विधान से माता सरस्वती पूजा करवाकर शिक्षा सत्र की शुरूवात करी। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ अर्चना गुप्ता कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप से शामिल होकर नए शिक्षा सत्र की शुरूवात की हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य कि शुभकामनाए दी। डॉ अर्चना गुप्ता ने कहा कि आधुनिक भारत में शिक्षा विशेष महत्व है और हम सबको शिक्षा को लेकर लोगों जागरूक करना चाहिए। डॉ अर्चना ने कहा कि वैश्य एजुकेशन सोसायटी ने समालखा शहर ही नहीं आस पास के कहीं गांवों को शिक्षित किया और इस में वैश्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है।
इस अवसर पर डॉ अर्चना गुप्ता के साथ जिला परिषद की चेयरमैन ज्योति शर्मा, भाजपा नेता संजय छौक्कर, राजेंद्र गोयल ,सुशील जिंदल नरेश बंसल, पुरुषोत्तम दास गुप्ता सहित अन्य लोग मौजूद थे।

शुभम अग्रवाल की नजरें नैशनल पोकर सीरीज में अपने पांचवे पदक पर टिकी

गुरुग्राम: जैसे ही 29 मार्च से यह सबसे प्रतीक्षित पोकर टूर्नामेंट शुरू हुआ, गुरुग्राम के 31-वर्षीय शुभम अग्रवाल नैशनल पोकर श्रृंखला 2023 में अपने 4 पदकों की संख्या में एक और पदक जोड़ने के लिए तैयार हैं। उन्होंने अभी तक खेले गए 1,833 टूर्नामेंट में से 646 में जीत दर्ज कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। शुभम को हमेशा रणनीती वाले खेल और अलग अलग तरह के ताश के खेलों में रूचि रही है और वे पोकर के खेल में अपने जूनून और महारत पाने की लगन के लिए जाने जाते हैं शुभम का जन्म जयपुर में हुआ था और उन्होंने ने देश के सबसे सम्मानित महाविद्यालयों में से एक, आईआईटी मद्रास से स्नातक किया है। नैशनल पोकर श्रृंखला इंडिया की शुरूआत के बारे में अपने विचार साझा करते हुए , शुभम अग्रवाल ने कहा , मेरा मानना है एक पदक जीतने के साथ जो यश मिलता है वही हर खिलाड़ी का अंतिम लक्ष्य होता है और यह बात पोकर के खेल में विशेष रूप से सिद्ध होती है। पोकर में सफलता पाने के लिए कठिन परिश्रम की जरूरत होती है और इसका कोई और विकल्प या आसान रास्ता नहीं होता।
हर साल इसमें भाग लेने वाले लोगों की बढ़ती संख्या से पता चलता है कि इस खेल ने कितना नाम कमाया है और इसके बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ी है। करीब पिछले एक दशक से पोकर मेरा शौक रहा है और मुझे लगता है हर शौकीन व्यक्ति को पेशेवर तरीके से इस खेल की गहराई में उतरना चाहिए और इस खेल की बारीकियों को अच्छी तरह समझना चाहिए।अपने जीवन में नैशनल पोकर सीरीज इंडिया के प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, मुझे लगता है नैशनल पोकर सीरीज इंडिया, खिलाड़ियों में एक सामुदायिक भावना को बढ़ावा देती है जिससे पोकर को एक कौशल आधारित खेल बनाने में योगदान मिलेगा और उसे बस एक ताश के खेल के रूप में नहीं देखा जाएगा।

गूंगी बहरी सरकार को जगाने के लिए आंदोलन जरूरी: टिकैत

सोमवार को मथुरा पहुंचे राकेश टिकैत ने सुनी किसानों की समस्याएं

टीम एक्शन इंडिया/मथुरा /लोकेश चौधरी भारतीय
किसान यूनियन टिकैत के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत सोमवार को मथुरा पहुंचे। चिरपरिचित अंदाज में टिकैत ने सरकार पर जोरदार हमला बोला। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार किसानों की हितैषी नहीं है। वह सिर्फ किसानों को गुमराह करती रही है। बरसात से फसलों में भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि सभी भारतीय किसान यूनियन कार्यकर्ता किसान हित में किसानों के लिए संघर्ष करें। गूंगी बहरी

सरकार को जगाने के लिए आंदोलन जरूरी है। सरकार ने दस दिन बाद भी नुकसान का सर्वे नहीं कराया। प्रदेश व केन्द्र सरकार किसान विरोधी है। वह किसान को मुआवजा देना नहीं चाहती। सरकार किसानों को गुमराह कर रही है। टिकैत ने आरोप लगाया कि नगर निकाय चुनाव में सत्ताधारी दल बेईमानी करेगा। राहुल गांधी की संसद सदस्यता खत्म किए जाने के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि अभी दूसरे दलों के सांसदों की सदस्यता भी खत्म होगी। सरकार ने अभियान छेड़ रखा है या तो भाजपा में शामिल हो जाओ नहीं तो जेल जाओ। टिकैत सोमवार को यमुना एक्सप्रेस वे सड़क मार्ग से मथुरा पहुंचे। कृष्णा नगर स्थित महानगर कार्यालय पर संगठन कार्यकताओं ने साफा बांधकर राकेश टिकैत का जोरदार स्वागत किया। यहां से वह जाजमपट्टी रवाना हो गए। छाता क्षेत्र के गांवों का दौरा किया और किसानों से बात की। इस दौरान लुकेश कुमार राही, महानगर अध्यक्ष पवन चतुवेर्दी, रमेश सैनी, किसान नेता राजवीर सिंह, विक्रांत सिंह, विवेक कुमार,आकाश बाबू, जितेंद्र सिंह बाजना, फैजान कुरेशी, रणवीर चाहर, गजेंद्र परिहार, बुद्धा प्रधान, देवेंद्र रघुवंशी, विपिन यादव, राकेश चैधरी, फतेह सिंह प्रधान, कुं नरेंद्र सिंह, राजेश कुमार, विजेंद्र पटेल, नरेश सर, चंदू, रविकांत, प्रताप कुमार, शिव कुमार बाजना, रोहतास तंवर, राजू सर, लव कुमार, दिनेश मिस्त्री, विकास, आशीर्वाद, शंभू दयाल,ओमप्रकाश, एड कुलदीप, भानु प्रताप, भोला कर्दम, धारा पहलवान, राजू आदि मौजूद रहे।

अयोध्या में राम मंदिर तो पहरावर में बनेगा परशुराम मंदिर: नवीन

टीम एक्शन इंडिया/पानीपत
प्रदेश के प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता नवीन जयहिन्द सोमवार को गोहाना रोड पर संजय कालोनी स्थित परशुराम धर्मशाला में पहुंचे और सभी जिला वासियों को 23 अप्रैल को रोहतक के पहरावर गांव में मनाये जा रहे भगवान परशुराम जन्मोत्सव में भारी संख्या में पहुंचने का न्यौता दिया। पानीपत में आयोजित बैठक में तय किया गया कि 104 वर्षीय दादा दुलीचंद कार्यक्रम के मुख्यातिथि रहेंगे। इस अवसर पर पानीपत ब्राहमण सभा के जिला प्रधान राम रतन शर्मा, पूर्व प्रधान मास्टर हवा सिंह, रामचंद्र हल्का प्रधान इसराना, सुभाष प्रधान हरिनगर धर्मशाला, महाबीर मांडी, रामफल साहपुर, पूजा पाठी, पंडित देव नारायण, मनोज शर्मा, अमित शर्मा, सतरैन सिवाह, जयदेव शर्मा, एडवोकेट डीके पंडित, सोनू शर्मा, अजय शर्मा, वीरेंद्र अत्री, धर्मबीर बांध, बलराज कारद, रामनिवास परढाना, शोएब आलम, अनिल हिंदुस्तानी व अनूप संधू आदि मौजूद रहे।

जेपी डीएवी स्कूल में हवन यज्ञ के साथ हुआ नए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ

टीम एक्शन इंडिया/गन्नौर
जे पी डीएवी पब्लिक स्कूल हवन यज्ञ ,मंत्रोच्चारण व भजनों के साथ नए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य चंद्र प्रकाश , शिक्षकों व छात्रों ने हवन में पूणार्हुति दी। मंत्रों के द्वारा सभी में सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया गया। बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए मंगल कामना की गई। पुष्प वर्षा कर उन्हें सुमार्ग पर चलने की प्रेरणा दी गई। नए बच्चों का स्वागत फूल मालाएँ पहनाकर किया गया। प्रधानाचार्य चंद्र प्रकाश ने छात्रों, गुरुजनों व अन्य सदस्यों को छोटे हों या बड़े सब का सम्मान करने का संदेश दिया। उन्होंने परस्पर सहयोग की भावना हृदय में जागृत हो इसकी कामना की। उन्होंने अनुशासन पर सर्वाधिक बल दिया।

टेहा गांव के समीप जीटी रोड पर अज्ञात ट्रक की टक्कर से युवक की मौत

गन्नौर। गन्नौर नेशनल हाईवे 44 पर टेहा गांव के समीप पानीपत दिल्ली मार्ग पर दूध लेने जा रहे एक अज्ञात व्यक्ति को ट्रक ने टक्कर मार दी । टक्कर इतनी तेज थी कि युवक बुरी तरह से घायल हो गया। घायल अवस्था में उसे उपचार के लिए गन्नौर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया । गांव टेहा के मनीष ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि मेरे पिता संजय सुबह करीब 5 बजे दूध लेने के लिए पानीपत से दिल्ली रोड पर गए थे । जब वह दूध लेकर वापस आने लगे तो पानीपत की साइड से आ रहे एक ट्रक चालक लापरवाही से ट्रक चलाते हुए मेरे पिता को टक्कर मार दी।

शहर में डेढ़ करोड़ रुपए की लागत से शहर की दो सड़कों का होगा जीर्णोद्धार

टीम एक्शन इंडिया/गन्नौर नगरपालिका की ओर से करीब 1.5 करोड़ रुपये की लागत से 2 सड़कों का जीर्णोद्धार किया जाएगा। विधायक निर्मल चौधरी ने सोमवार को नारियल तोड़कर दोनों सड़कों का शुभारंभ किया। विधायक निर्मल चौधरी ने कहा कि गन्नौर स्टेडियम से राजकीय मॉडल संस्कृतिक स्कूल तक करीब 450 मीटर व गढ़ी केसरी गांव से गैस एजेंसी गोदाम तक करीब 1100 मीटर सड़क का जीर्णोद्धार किया जाएगा। विधायक ने बताया कि इस कार्य को एक माह के अंदर पूरा कर लिया जाएगा। चौधरी ने सभी पार्षदो का आह्वान किया कि उनके वार्डो में चल रहे विकास कार्यों की निगरानी रखें ताकि बेहतर विकास कार्य हो सकें। विधायक निर्मल चौधरी ने कहा कि आज इन दो सड़कों का कार्य शुरू किया गया है और जल्द ही अन्य सड़कों के भी टेंडर लगाकर उनका भी जीर्णोद्धार किया जायेगा। उन्होंने शहर के लोगों को विश्वास व भरोसा दिलाया कि विकास कार्यों में पैसे की कमी नही आने दी जाएगी । इस अवसर पर नगर पालिका चेयरमैन अरुण त्यागी ने बताया कि शहर की टूटी हुई सभी सड़कों को चिह्नित कर लिया गया है। इन सड़कों के निर्माण कार्य पूरा होने के बाद अन्य सड़कों का कार्य शुरू कर दिया जायेगा। मरम्मत का कार्य किया जाएगा।
उन्होंने बताया कि विधायक निर्मल चौधरी व उनके पास आए दिन लोगों की शिकायतें आती रहती थी।

जैन क्रिकेट प्रीमियर लीग की ट्रॉफी का हुआ विमोचन

टीम एक्शन इंडिया/ अंबाला (मनीष कुमार)
श्री मणिभद्र वीर यंग सोसायटी अम्बाला शहर के द्वारा चार दिवसीय जे सी पी एल डे-नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन पी. के. आर. जैन वाटिका के ग्राउंड में किया जाना है जिसकी ट्रॉफी का विमोचन कल सांय पी. के.आर. जैन ऑडिटोरियम के प्रांगण में किया गया। सर्वप्रथम नवकार मंत्र का उच्चारण किया गया। तदोप्रान्त कार्यक्रम के मुख्यातिथि श्री सलील जैन सुपुत्र श्री सूर्यकांत जैन मै. जैन जेवेलर्स द्वारा दिप प्रज्वलन करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।
मंच संचालन सुकान्त जैन द्वारा

किया गया। ओर उन्होंने कार्यक्रम के मुख्यातिथि को मंच पर बुलाकर उनके द्वारा ट्रॉफी का विमोचन करवाया गया। साथ ही सोसायटी की प्रबंधक समिति द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया। सुकान्त जी ने टूनार्मेन्ट की जानकारी देते हुए बताया इस प्रतियोगिता में 8 टीम भाग ले रही है। प्रथम पुरस्कार 71000 रुपये ओर द्वितीय पुरुस्कार 51000 रुपये दिया जाएगा। प्रतियोगिता में भाग ले रही टीम जे पी नाइट राइडर , नोवेल्टी फाइटर किंग, एम आर टी सी , मोनिका दी चैंपियंस, विज इंडियन, अरिहंत आर्मी, गंगा ओम अरुण, बोरोसिल फ्लेम बॉयज, के सभी सदस्यों को मंच पर बुलाया गया और टीशर्ट देकर परिचय करवाया गया। समाजसेवी सतपाल जी ने मंच से उध्बोधन करते हुए इस चार दिवसिय हो रहे टूर्नामेंट की सराहना की और सोसायटी का इस कार्यक्रम को करवाने के लिए उनका धन्यवाद किया।
टूर्नामेंट में सहयोग दे रहे सभी गणमान्य व्यक्तियों को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया। अंत मे सोयायटी के चेयरमैन भाविक प्रधान लव जैन, उपप्रधान भारत जैन, सचिव संकेत, कोषाध्यक्ष विकुल, सहसचिव नव्यम, पुनीत, समर्थ, करून, अमन ने कार्यक्रम में सभी लोगो का कार्यक्रम में पहुंचने पर धन्यवाद किया।

नेस्ले इंडिया और एस एम सहगल फाउंडेशन ने पाँच गाँवों में किया दीर्घकालिक बदलाव

पानीपत: नेस्ले इंडिया ने एस एम सहगल फाउंडेशन और नूह जिले के स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर हरियाणा के नूह जिले के पाँच गाँवोंमें बड़ा बदलाव लाने का काम किया है। पायलट प्रोजेक्ट चार साल पहले लॉन्च हुआ था और साल-दर-साल मजबूत होता जा रहा है। प्रोजेक्ट वृद्धि का लक्ष्य है ग्रामीण स्वच्छता, पोषण, डिजिटल साक्षरता, शिक्षा, खेत के प्रबंधन, तालाब के कायाकल्प, जल संरक्षण में सुधार और कृषि की नई तकनीकों तथा आजीविका कार्यक्रमों को अपनाने पर केन्द्रित एकीकृत ग्रामीण विकास के माध्यम से समुदाय के संचालन में गाँव का विकास करना। परियोजना के विस्तार पर अपनी बात रखते हुए नेस्ले इंडिया के चेयनमैन एवं प्रबंध निदेशक, श्री सुरेश नारायणन ने कहा, ह्लनेस्ले इंडिया में हमारा उद्देश्य है वर्तमान और भावी पीढ़ियों के हर व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता को सुधारने के लिये भोजन की शक्ति को उजागर करना। ज्यादा स्वस्थ समाज बनाने के लिये अपनी प्रतिबद्धता के हिस्से के तौर पर हमने प्रोजेक्ट वृद्धि लॉन्च किया था, जो ग्रामीण कल्याण के लिये महत्वपूर्ण और जीवन को आकार देने वाले पहलूओं पर केन्द्रित है। प्रोजेक्ट वृद्धि ने चार साल पहले अपने लॉन्च के बाद से लगातार ठोसे प्रगति की है और 6000 से ज्यादा लोगों को सकारात्मक ढंग से प्रभावित किया है। परियोजना के मध्यवर्तनों से इन गाँवों के सर्वांगीण विकास में योगदान किया है।ह्व एस एम सहगल फाउंडेशन के ट्रस्टी, श्री जय सहगल ने विकास संबंधी मध्यवर्तनों में सस्टेनेबिलिटी के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने ग्रामीणों से अपने आस-पास आरोग्य तथा स्वच्छता बनाये रखने के प्रयास जारी रखने की अपील की।

चौमुहां ब्लॉक पर पोषण पखवाड़े के तहत कराई गई प्रतियोगिता

टीम एक्शन इंडिया/मथुरा
बाल विकास परियोजना विभाग द्वारा पोषण पखवाड़े के तहत व्यंजन रेसिपी एवं आंगनवाड़ी कार्यकताओं की क्विज प्रतियोगिता आयोजित कराई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि पंडित शोभाराम शर्मा एवं सीडीपीओ वंदना शर्मा ने किया। चौमुहां ब्लॉक के सभागार में पोषण पखवाड़े के तहत आंगनबाड़ी कार्यकताओं ने मोटे अनाज से व्यंजन रेसिपी प्रतियोगिता में विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन बनाए। वही क्विज प्रतियोगिता में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए। व्यंजन रेसिपी प्रतियोगिता में कस्बा की आंगनबाड़ी विजेता एवं ग्राम पंचायत शिवाल की प्रकाशवती प्रथम रही। वही क्विज प्रतियोगिता में नौगांव की संतोष राजपूत एवं सेनवा की धर्मवती ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सभी विजेता आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि पंडित शोभाराम शर्मा ने पुरस्कृत किया।

निर्धारित समय बाद भी व्यवस्थित नहीं हुए ई रिक्शा

टीम एक्शन इंडिया/मथुरा
क्षमता से अधिक ई रिक्शा के संचालन से गोवर्धन की ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। डीएम ने ई रिक्शा व्यवस्थित कराने के लिए एआरटीओ, एसडीएम, पुलिस और नगर पालिका के ईओ को जिम्मेदारी सौंपी थी। इसी के परिपेक्ष अधिकारियों ने विगत दिनों पूर्व पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में बैठक कर ई रिक्शा संचालन की व्यवस्था को अलग अलग जोन में विभाजित किया था। एक अप्रैल से परिक्रमा मार्ग ग्रीन जोन में महज 400 ई

रिक्शा संचालन कराकर व्यवस्था बनाने का आश्वासन डीएम को दिया गया। ट्रैफिक व्यवस्था कागजों में सिमट कर रह गईं, अभी तक ई रिक्शा व्यवस्थित नहीं हुए हैं। परिक्रमा मार्ग पर श्रद्धालुओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गोवर्धन में क्षमता से अधिक रिक्शा के संचालन से ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त है। डीएम पुलकित खरे के निर्देश पर एसडीएम कमलेश गोयल, सीओ राम मोहन शर्मा, ए आर टी ओ मथुरा ने गोवर्धन में ई रिक्शा के संचालन के लिए बैठक कर ट्रैफिक प्लान तैयार किया। जिसे 1 अप्रैल से लागू कराने का आश्वासन अधिकारियों ने डीएम पुलकित खरे को दिया था। लापरवाह अधिकारी डीएम के निर्देश का अभी तक पालन नहीं करा सके हैं। हालात इतने बदतर हैं, कि परिक्रमा मार्ग पर परिक्रमार्थी श्रद्धालु चोटिल हो रहे हैं, स्थानीय लोग परेशान हैं। डीएम के निर्देश पर बनाया गया ट्रैफिक प्लान कागजों में ही सिमट कर रह गया।

मथुरा वृंदावन निगम ने तम्बाकू उत्पादों पर लागू किए प्रतिबंध

टीम एक्शन इंडिया/मथुरा
उत्तर प्रदेश में सर्वप्रथम नगर निगम लखनऊ तथा द्वितीय चरण में नगर निगम मथुरा वृन्दावन द्वारा तम्बाकू वितरण के लिए लाइसेंस जारी किये जा रहे हैं। नगर निगम क्षेत्र में बिना लाइसेंस प्राप्त किये तंबाकू बेचना प्रतिबंधित कर दिया गया है। इसके साथ स्कूल एवं कॉलेज से 200 मीटर उपरान्त की लाइसेंस प्राप्त कर तम्बाकू बेचने की अनुमति होगी। कोटपा अधिनियम 2003 एवं नगर निगम मथुरा वृन्दावन तम्बाकू उत्पाद नियंत्रण लाइसेंस उपविधि 2021 के प्रावधानों के अंतर्गत तीन अप्रैल को जिलाधिकारी एवं नगर आयुक्त द्वारा नगर निगम क्षेत्र में तीन तम्बाकू लाइसेंस आवेदकों रवि यादव पुत्र

सुरेश यादव दुकान विक्रय केन्द्र सिविल लाईन मथुरा, भूरी सिंह पुत्र स्व. निनुआ दुकान विक्रय केन्द्र टाउनशिप चैराहा व प्रमोद कुमार पुत्र मनोहर लाल दुकान विक्रय केन्द्र रेलवे स्टेशन रोड धोली प्याऊ मथुरा को लाइसेंस वितरित किये गये। लाईसेंस वितरण के दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी, नगर निगम मथुरा वृन्दावन से डॉ. केए कुरैशी, नगर स्वास्थ्य अधिकारी व समस्त क्षेत्रीय स्वास्थ्य अधिकारी तथा समस्त सफाई एवं खाद्य निरीक्षक साथ एवं में लखनऊ से आये यूपीवीएचए यूनियन के सदस्य सुरजीत सिंह, डा. निधि सिंह पौराविक सीनियर टेक्निकल एडवाइजर, विवेक अवस्थी एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, अमित यादव सीनियर टेक्निकल एडवाइजर आदि उपस्थित रहे।
लाइसेंस लेने के लिए नियम व शर्तें: नगर निगम मथुरा वृन्दावन में सिगरेट एवं अन्य तम्बाकू उत्पाद बिना लाइसेंस के बेचना 22 सितम्बर 2022 से प्रतिबन्धित है। सिगरेट व अन्य तम्बाकू उत्पाद बेचने हेतु लाइसेंस के लिये नगर निगम मथुरा वृन्दावन में नगर स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में निर्धारित प्रारूप पर आवेदन किया जा सकता है। स्ट्रीट वेंडिंग नीति के अंतर्गत अस्थाई दुकानों के लिए वार्षिक पंजीकरण शुल्क 500, स्थाई दुकानों के लिए 1000, थोक स्थाई दुकानदारों के लिये 5000 होगा।

उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के जन्मदिन पर लगाया गया रक्तदान शिविर

8 गंगा राम कॉलोनी स्थित बीजीए विद्या निकेतन स्कूल में सोमवार को रक्तदान शिविर लगाया गया

टीम एक्शन इंडिया/पानीपत
उपमुख्यमंत्री दुष्यन्त चौटाला के जन्मदिन पर वार्ड नंबर 25 की गंगा राम कॉलोनी स्थित बीजीए विद्या निकेतन स्कूल में सोमवार को रक्तदान शिविर लगाया गया। जिसमें 52 जजपा कार्यकर्ताओं ने रक्तदान किया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि जजपा के प्रदेश संगठन सचिव

देवेंद्र कादियान व विशिष्ट अतिथि जिला प्रधान सुरेश काला और पानीपत ग्रामीण हलका प्रधान धर्मबीर राठी ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर किया। इस मौके पर देवेंद्र कादियान ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है और पानीपत के कार्यकताओं ने रक्तदान करके उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला की लंबी आयु की कामना की है।
कार्यक्रम के आयोजक अमित रंगा, मास्टर सतीश गाल्याण व सुनील कुमार ने मुख्य अतिथि देवेंद्र कादियान को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर पानीपत ग्रामीण हलका प्रधान धर्मबीर राठी, सुभाष धीमान, लेखराज, ,जसबीर, रवि, नवीन जागलान, धनंजय, संगीत, शक्ति निंबरी, अरविंद, मनु मान, जयदेव, अंकित देशवाल व नरेश भोरिया आदि मौजूद रहे।

महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर का संकेत हैं ये 10 लक्षण

भारत में ब्रेस्ट कैंसर के बाद सबसे ज्यादा महिलाएं सर्वाइकल कैंसर का शिकार होती हैं। महिलाओं के गर्भाशय के सबसे निचले हिस्से में (गर्भाशय और योनि को जोड़ने वाला हिस्सा) सर्विक्स होता है। इसी सर्विक्स में होने वाले कैंसर को सर्वाइकल कैंसर कहते हैं। 35-40 साल की उम्र के बाद जब महिलाओं के पीरियड्स अनियमित होते हैं या ब्लड ज्यादा निकलता है, तो वो इसे सामान्य समझकर नजरअंदाज कर देती हैं। मगर ये सर्वाइकल कैंसर का शुरुआती संकेत हो सकता है। ये एक खतरनाक कैंसर है क्योंकि सर्वाइकल से फैलते हुए ये कैंसर लिवर, ब्लैडर, योनि, फेफड़ों और किडनी तक पहुंच जाता है। हालांकि ये कैंसर बहुत धीरे-धीरे बढ़ता है, लेकिन कुछ शुरुआती लक्षणों से इसे पहचाना जा सकता है।

सर्वाइकल कैंसर के लक्षण

- पीरियड्स अनियमित हो जाना
- पीरियड्स में सामान्य से ज्यादा खून निकलना
- सफेद पदार्थ का निकलना
- शारीरिक संबंध के बाद खून निकलना
- पेट के निचले हिस्से में दर्द या सूजन
- बार-बार यूरिन आना
- बहुत अधिक थका हुआ महसूस करना
- अक्सर हल्का बुखार और सुस्ती रहना
- भूख न लगना या बहुत कम खाना
- सीने में जलन और लूज मोशन आदि

आसान है सर्वाइकल कैंसर की जांच

ज्यादातर मामलों में एडवांस स्टेज में ही इसका पता चल पाता है, लेकिन पैप स्मीयर टेस्ट से इसके बारे में पता लगाया जा सकता है। ये जांच हर शहर में आसानी से उपलब्ध है। इसके जरिए कैंसर शुरू होने से पहले की अवस्था को आसानी से पहचान जा सकता है। जागरूकता के अभाव में ज्यादातर स्त्रियां यह जांच नहीं करवाती और अंततः सर्विक्स कैंसर की शिकार हो जाती हैं। अगर शुरुआती दौर में ही उपचार शुरू किया जाए तो इसे आसानी से दूर किया जा सकता है।

क्यों होता है सर्वाइकल कैंसर

लगभग 98 प्रतिशत मामलों में एचपीवी (ह्यूमन पेपिलोमा वायरस) वायरस के फैलने से सर्विक्स कैंसर होता है। आनुवांशिकता इसकी प्रमुख वजह है। अब तक किए गए अध्ययनों के अनुसार फैमिली हिस्ट्री होने पर स्त्रियों में सर्विक्स कैंसर की आशंका बढ़ जाती है। गर्भाशय में चोट लगने से भी ऐसी समस्या हो सकती है। सिगरेट में मौजूद निकोटिन को भी इसके लिए जिम्मेदार माना जाता है इसलिए सिगरेट पीने वाली महिलाओं में ये समस्या देखी जाती है। कुपोषण और पर्सनल हाइजीन की कमी होने पर भी यह समस्या हो सकती है। यह एसटीडी यानी सेक्सुअली ट्रांसमिटेड डिजीज है, इसलिए कम उम्र में या असुरक्षित सेक्स और एक से ज्यादा पार्टनर्स के साथ संबंध को इसका प्रमुख कारण माना जाता है।

दोपहर बाद आलस आने के कारण और उससे उबरने के तरीके

दोपहर में नींद आना

दोपहर के बाद कई कोशिशों के बावजूद आप अपनी नींद पर काबू नहीं कर पाते हैं और आपको आलस आता है। इसका असर आपके काम पर पड़ता है। अधूरी नींद, अवसाद, ओवरईटिंग, व्यायाम न करना, कुछ बीमारियां आदि प्रमुख कारण हैं जिनके कारण आपको दोपहर बाद आलस आता है। आगे की स्लाइडशो में विस्तार से जानिये उन प्रमुख कारणों के बारे में जिनके कारण आपको नींद आती है और इससे उबरने के तरीके भी जानिए।

नींद पूरी न करना

रात में देर से सोने और सुबह जल्दी उठने के कारण पूरे दिन नींद आना सामान्य बात है। बहुत कम नींद लेना सेहत और एकाग्रता दोनों पर असर डालता है। इसलिए एक वयस्क को रात में कम से कम 7 से 8 घंटे की नींद लेनी चाहिए। शहरी जीवनशैली के बीच शरीर की इस सबसे आसान व प्राकृतिक जरूरत को पूरा करना मुश्किल होता जा रहा है। इसके कारण दोपहर के बाद आलस आता है।

ब्रेकफास्ट न करना

सुबह के वक्त नाश्ता करने से हमें न केवल एनर्जी मिलती है बल्कि इसके कारण हम पूरे दिन ऊर्जावान रहते हैं। लेकिन अगर आपने सुबह के वक्त नाश्ता नहीं किया है तो इसके कारण दोहपर के बाद आपको नींद सतायेगी। इसलिए सुबह का नाश्ता करना न भूलें।

ओवरईटिंग के कारण

लंच में अधिक और अस्वस्थ खाने के कारण दोपहर के बाद आलस आना स्वाभाविक है। इसके अलावा दोपहर में आपने क्या खाया इसके कारण भी दोपहर बाद आलस आता है। इसलिए लंच में ऐसा खाना खायें जो आसानी से पच जाये। सलाद, हरी सब्जियों, फलों का अधिक मात्रा में सेवन करें। मीट, मछली, मसालेदार आदि हैवी फूड के सेवन से बचें।

हाइपोथाइरॉयडिज्म के कारण

थाइरॉएड एक ऐसी ग्रंथि है, जो मेटाबॉलिज्म को काबू में रखती है, इस प्रक्रिया के तहत शरीर भोजन को पचा कर ऊर्जा में बदलता है। जब यह ग्रंथि असक्रिय हो जाती है तो इसे हाइपोथाइरॉयडिज्म कहते हैं। इसके कारण मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है, और व्यक्ति को थकावट होती है और उसका वजन बढ़ने लगता है। अगर कोई व्यक्ति इस समस्या से ग्रस्त है तो उसे दोपहर बाद आलस आयेगा।

तनाव और अवसाद के कारण

तनाव का सबसे नकारात्मक असर हमारी नींद पर पड़ता है। अगर कोई व्यक्ति तनाव और अवसाद से ग्रस्त है तो इसके कारण उसे अच्छी नींद नहीं आएगी, थकावट, सिरदर्द और भूख न लगने जैसी समस्यायें भी होंगी। इसलिए अगर तनाव से ग्रस्त हैं तो इससे उबरने की कोशिश करें।

व्यायाम न करना

अगर आप व्यायाम करने में आलस करेंगे तो पूरा दिन आलस में ही बीतेगा। दोपहर के बाद नींद आने के प्रमुख कारण है। इसलिए सुबह के वक्त व्यायाम के लिए 30-40 मिनट जरूर निकालें।

दोपहर के आलस को कैसे करें दूर

दोपहर के बाद नींद आने की समस्या को आप आसानी से दूर कर सकते हैं। हो सके तो ऑफिस में ही 30 मिनट की पॉवर नैप लें, 40 मिनट से अधिक समय तक एक जगह कुर्सी पर न बैठें, थोड़ा सा टहलें, लंच के बाद टहलें, ब्रेकफास्ट जरूर करें, व्यायाम को अपनी दिनचर्या बनाएं, नींद आने पर कॉफी का सेवन करें, भरपूर नींद लें और समय-समय पर चिकित्सक से परामर्श लें।

रेसिपी

ढींगरी डोलमा

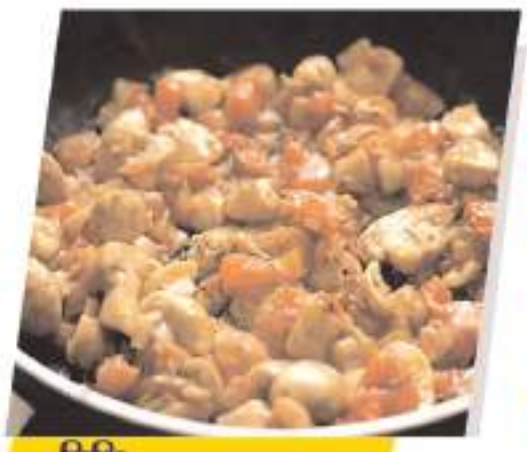

- **तेल:** 2 टीस्पून
- **जीरा:** 1/2 टीस्पून
- **अदरक:** लहसुन का पेस्ट- 1 टीस्पून
- **प्याज:** 85 ग्राम
- **टमाटर:** 90 ग्राम
- **लाल मिर्च:** 1/4 टीस्पून
- **काली मिर्च:** 1/2 टीस्पून
- **मशरूम:** 200 ग्राम
- **स्क्रैंबल्ड पनीर:** 250 ग्राम
- **गर्म मसाला:** 1/4 टीस्पून
- **नमक:** 1 टीस्पून
- **धनिया:** गार्निश के लिए
- **अदरक:** गार्निशिंग के लिए

विधि

ढींगरी डोलमा बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में दो चम्मच ऑयल डालकर गर्म करें। अब इसमें ½ चम्मच जीरा, 1 चम्मच अदरक लहसुन का पेस्ट डाल कर 2 से 3 मिनट तक फ्राई करें। अब इसमें 50 ग्राम प्याज डालकर फ्राई करें। प्याज के नरम हो जाने पर इसमें 90 ग्राम टमाटर डालकर पकाएं। इसके बाद इसमें ½ चम्मच लाल मिर्च, ½ चम्मच काली मिर्च पाउडर डालकर मिक्स करें। अब इसमें 200 ग्राम मशरूम डालकर धीमी आंच पर 10 मिनट तक पकाएं। अब इसमें 250 ग्राम स्क्रैंबल पनीर डालकर अच्छे से मिक्स करें। अब इसमें ½ चम्मच गरम मसाला व एक चम्मच नमक डालकर 5 मिनट तक पकाएं। ढींगरी डोलमा तैयार है, इसे धनिया व अदरक के साथ सजाकर सर्व करें।

सेवई उपमा

- **सेवई भुनी हुई:** 1 कप
- **प्याज (बारीक कटा हुआ):** 1/4 कप
- **टमाटर (बारीक कटा हुआ):** 1/4 कप
- **हरी मिर्च बारीक कटी हुई:** 2
- **ताजा मटर के दाने:** 1/4 कप
- **हल्दी पाउडर:** 1/4 छोटा चम्मच टीस्पून
- **राई:** 1/4 छोटा चम्मच टीस्पून
- **नमक:** स्वादानुसार
- **तेल:** 1 बड़ा चम्मच टेबलस्पून
- **हरा धनिया (बारीक कटा हुआ):** 1 बड़ा चम्मच टेबलस्पून
- **पानी:** 2 कप

विधि

सेवई उपमा बनाने के लिए, कढ़ाही में तेल गर्म कर उसमें राई का तड़का लगाएं। जब राई चटकने लगे तब उसमें प्याज और हरी मिर्च डालें। बीच-बीच में चम्मच से हिलाते हुए धीमी आंच पर प्याज को सुनहरा होने तक सेंकें। जब प्याज भुन जाए तब उसमें हल्दी पाउडर, टमाटर और मटर के दाने डालकर मिलाएं और ढककर धीमी आंच पर पकाएं। जैसे ही टमाटर और मटर के दाने पक जाएं तब इसमें भुनी हुई सेवई, नमक और 2 कप पानी डालकर मिलाएं। अब मध्यम आंच पर, ढककर, पानी के सूखने और सेवई के गलने तक पकाएं। पानी सूखने के बाद गैस बंद करें। अगर सेवई गलने के बाद भी पानी न सूखा हो तो ढक्कन हटाकर तब तक पकाएं जब तक पानी सूख न जाए। तैयार है सेवई उपमा, इसे हरे धनिए और टमाटर स्लाइस से सजाकर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक होगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में न पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। धनार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रखें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। व्यर्थ की तामझाम आपकी परेशानी में डाल सकती है। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। काम में लगे रहें लाभ होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। शत्रु से सावधान रहें। शुभांक-1-3-5

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-4-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। पत्नी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-2-4-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें उसके बाद समय नाजुकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-1-3-5

लॉफिंग जोन

प्रेमी (प्रेमिका से)- मुझे समझ में नहीं आता कि भगवान ने तुम्हें इतना सुंदर बनाने के साथ-साथ इतना मूर्ख क्यों बनाया?

प्रेमिका- ताकि हम दोनों का मिलन हो सके।

प्रेमी- यह कैसे?

प्रेमिका- मैं सुंदर थी इसलिए तुम आकर्षित हुए और मैं मूर्ख थी इसलिए तुम्हे पसंद किया...! समझे।

□ □ □

प्रेमी अपने साथ पढ़ रही प्रेमिका से- प्रिये! देखो मैं धोखा खा गया।

प्रेमिका- कैसे, कब और हुआ क्या?

प्रेमी- मैंने तुम्हें मोबाइल दिलाने के लिए घर वालों से झूठ बोलकर किताबों के नाम से पैसे मंगाए थे। उन्होंने किताबें ही भेज दीं।

□ □ □

प्रेमी (प्रेमिका से)- अभी यहाँ तुम्हारे पास आते समय रास्ते में कहीं मेरी कलम कहीं खो गई।

प्रेमिका- मेरी तो आज तक कभी कोई चीज नहीं खोई।

प्रेमी- क्यों झूठ बोल रही हो? प्रेम दिवस के दिन ही तो तुम कह रही थी कि मेरा दिल न जाने कहाँ खो गया है।

□ □ □

काकुरो पहेली - 650

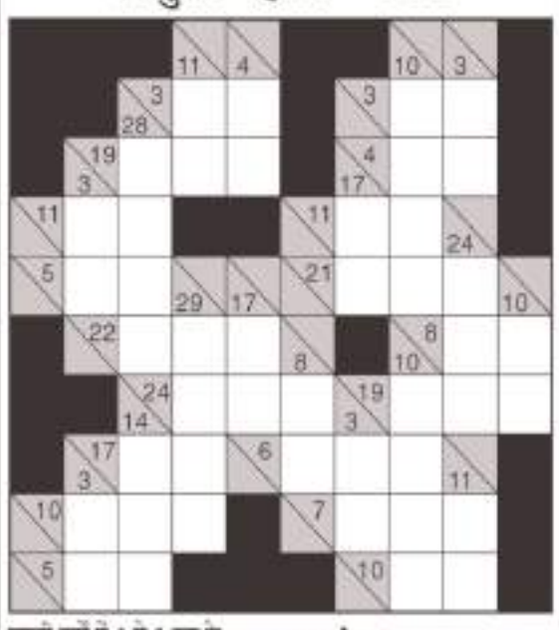

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आगे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता।

उदाहरणतः

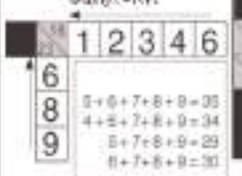

3+6+7+8+9=35
4+5+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 649 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 650

बायें से दायें:-

१. संजीव कुमार, वहीदा रहमान की 'ये मेरी आँखों के पहले सपने' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'चलो एक बार फिर से अजनबी बन जायें' गीत वाली फिल्म-४
८. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिसरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
९. 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-३
१०. जीतेंद्र, अदिति, संगीता की १९९३ की एक फिल्म-५
१३. ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-३
१४. 'किसी को किसी' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता की फिल्म-३
१६. शाहरुख, पूजा भट्ट, रम्भा की फिल्म-२
१९. विवाह से पूर्व हेमा अंबानी का नाम क्या था-२
२१. अमोल, ज़रीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'सरकाय लेओ' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,३
२४. अनिल कपूर, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की फिल्म-३
२६. 'ये कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अमृता की फिल्म-२
२७. संजय दत्त, कुमार गौरव, पूनम की 'तेरे दिल को है' गीतवाली फिल्म-२
२९. 'मैं तेरा तुम से' गीत वाली तुषार कपूर, ईशा देओल की फिल्म-३
३१. सुनील दत्त, नूतन की 'चढ़ी रे चढ़ी मंहगाई मेरी राह छोड़ परवाना' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'दिल हुए हम जो' गीत वाली राज बब्बर, राखी, शिल्पा शिरोड़कर की फिल्म-३
३३. धर्मेंद्र, हेमा मालिनी की 'ओ रेशमी कोई याद' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, वैजयंती की फिल्म-४
२. 'मेरे नाम कहा चले' गीत वाली फिल्म-३
३. 'लकडी चुनरिया रे' गीत वाली फिल्म-२
५. दिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'कह कर हम उन्हें भूल जाने लगे' गीत वाली फिल्म-३
६. फिल्म 'आज का अर्जुन' में 'लक्ष्मी' की भूमिका किस अभिनेत्री ने की थी-३
७. राजेंद्र कुमार, माला सिन्हा की फिल्म-३
९. 'मेरे चेहरे पे' गीत वाली फिल्म-३
११. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१२. अमोल, राखी की 'जो हम चाहें सुने यही' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कभी खुशियों की सरगम' गीत वाली अमिताभ, अरबाज, डिम्पल की फिल्म-४
१६. वी. शांताराम की प्रेमकुमार, मास्टर सुहास, रंजना, गौरी कामत अभिनीत फिल्म-२
१७. 'प्यार का इकरार कर' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय, अमीषा की फिल्म-४
१८. अक्षय कुमार, प्रीति जिंटा की फिल्म-३
१९. 'लाख लाख गोरी रूप की' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'गीत महल' में शीर्षक भूमिका किसने निभाई है-३
२३. 'नगमा तेरे नाम' गीत वाली फिल्म-२
२५. आमिर खान, प्रीति सिंह की फिल्म-३
२६. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो अक्सर याद आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेयी, शेफाली शाह अभिनीत रामगोपाल वर्मा की एक सफलतम फिल्म-३
३०. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 649

सूडोकु -650

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -649 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

शब्द पहेली - 650

बाएं से दाएं

1. धरोहर, थाती-4
5. अकबर के नवरत्नों में से एक-4
8. गुणगान-3
9. प्रेम (अंग्रेजी-2)
11. भरोसा, विश्वास-3
12. दुःख, परेशानी, कष्ट-4
14. हिंदू कैलेंडर में एक माह-2
15. गागर, घड़ा-3
17. आंच-2
19. असावधान-5
22. करतूत, होशियारी-5
25. डूबा हुआ, समाप्त-2
26. तीक्ष्ण, तेज-3
27. अधर्म, अपकृत्य-2
28. मनमौजी, चंचल-4
30. हत्या, वध-3
31. पंख-2
33. मायका-3
35. व्यापार, व्यवसाय (उर्दू-4)
36. कृपा, रहम (उर्दू-4)

ऊपर से नीचे

2. फूलों का हार-2
3. वेश्या, कोठे पर नाचनेवाली-4
4. शांति, सुख-चैन-3,2
5. अस्वस्थ, मरीज-3
6. दम, ताकत-2
7. भगवान राम के पुत्र-2,2
10. उन्मत्त, मदमस्त-4
13. दिलीप कुमार व वैजयंती माला की फिल्म (3)
16. बोलने का तरीका-3
17. रास्ता-2
18. पराया-2
20. परीक्षा-3
21. वचन-2
22. खेती-2
23. अभिमान-3
24. फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान खान की मां-2,2
25. बलपूर्वक उठा ले जाना-5
26. ईश्वर, राजा-4
28. मन को अच्छा लगने वाला-4
29. शाप से पीड़ित-3
32. अवकाश, मंजूरी-2
34. संध्या-2

शब्द पहेली -649 का हल

आरसीबी ने मुंबई इंडियंस को 8 विकेट से हराया, कोहली-डुप्लेसिस ने खेली तूफानी पारी

नई दिल्ली। आईपीएल 2023 के पांचवें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस को आठ विकेट से हरा दिया है। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने 20 ओवर में सात विकेट पर 171 रन बनाए। जवाब में आरसीबी की टीम ने 16.2 ओवर में दो विकेट खोकर 172 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। कप्तान फाफ डुप्लेसिस और विराट कोहली ने अर्धशतकीय पारी खेली।

172 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी को कोहली और डुप्लेसिस ने शानदार शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए शतकीय साझेदारी की। कोहली और डुप्लेसिस ने 14.5 ओवर में 148 रन जोड़े। डुप्लेसिस 43 गेंद पर 73 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने पांच चौके और छह छक्के लगाए। डुप्लेसिस के आउट होने के बाद दिनेश कार्तिक को तीसरे नंबर पर भेजा गया लेकिन वो बिना खाता खोले आउट हो गए। हालांकि आखिर में कोहली और ग्लेन मैक्सवेल ने टीम को जीत दिला दी।

कोहली 49 गेंदों में 82 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने अपनी पारी में छह चौके और पांच छक्के लगाए। जबकि ग्लेन मैक्सवेल तीन गेंद पर दो छक्कों की मदद से 12 रन बनाकर नाबाद रहे। मुंबई इंडियंस के लिए अरशद खान और कैमरून ग्रीन एक-एक विकेट लिए।

इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस की टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। बाएं हाथ के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने 46 गेंद पर नाबाद 84 रन बनाकर मुंबई इंडियंस को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। जहां टीम के लगातार विकेट गिर रहे थे, वहीं तिलक लगातार रन बना रहे थे। तिलक की तेज तर्रार पारी की वजह से मुंबई की टीम सात विकेट पर 171 रन बना सकी। तिलक ने अपनी पारी में नौ चौके और चार छक्के लगाए।

पारी की 5.2 ओवर में तीन विकेट गिरने के बाद क्रीज पर आये थे। उस समय टीम का स्कोर 20 रन था। वहां से उन्होंने मुंबई को 170 रन के पार पहुंचाया। तिलक ने सूर्यकुमार यादव के साथ चौथे विकेट के लिए 28 रन की साझेदारी की। इसके बाद निहाल वधेरा के साथ पांचवें विकेट के लिए 30 गेंद पर 50 रन जोड़े। फिर उन्होंने अरशद खान के साथ सातवें विकेट के लिए 18 गेंद पर नाबाद 48 रन की साझेदारी की।

मुंबई के नौ में से चार बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके। कैमरून ग्रीन और ऋतिक शौकीन पांच-पांच रन बनाकर आउट हुए। टिम डेविड ने चार और कप्तान रोहित शर्मा ने 10 गेंद पर एक रन बनाए। रोहित आईपीएल की लगातार 15वीं पारी में अर्धशतक नहीं लगा सके। निहाल वधेरा ने 13 गेंद पर 21, सूर्यकुमार यादव ने 16 गेंद पर 15, ईशान किशन ने 13 गेंद पर 10 और अरशद खान ने नौ गेंद पर नाबाद 15 रन बनाए। आरसीबी के लिए कर्ण शर्मा ने दो विकेट लिए, जबकि मोहम्मद सिराज, रीस टॉप्ली, आकाश दीप और माइकल ब्रेसवेल को एक-एक विकेट मिला।

दिनेश कार्तिक ने रीस टॉपले की चोट पर दिया अपडेट, फिल्डिंग के दौरान हुए थे चोटिल

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने इंडियन प्रीमियर लीग 2023 के अपने अभियान की शुरूआत 5 बार के चैंपियन मुंबई इंडियंस को 8 विकेट से हराकर की। इस दौरान आरसीबी के तेज गेंदबाज रीस टॉपले को फिल्डिंग के दौरान चोट भी लगी और उन्हें मैदान से बाहर ले जाना पड़ा था। इस पर विकेटकीपर दिनेश कार्तिक ने अपडेट देते हुए कहा कि हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा। कार्तिक ने कहा, 'यह (कंधा) बाहर निकला, लेकिन वापस अंदर चला गया। मुझे लगता है कि वह खेल के दौरान ही स्कैन के लिए गया था। वह उतने दर्द में नहीं है जितना हमने सोचा था कि वह अंदर होगा। हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा।' टॉपले ने मुंबई की बल्लेबाजी के 8वें ओवर के दौरान गेंद को रोकने के प्रयास में कंधे के बल अजीब तरह से टकराए। उनका कंधा लुढ़का हुआ लग रहा था, जिससे वह दर्द से कराह रहे थे। उसके बाद टॉपले को टीम फिजियो और मेडिकल टीम ने जांचने के बाद उन्हें मैदान से बाहर ले गए। गौर हो कि मुंबई ने तिलक वर्मा की 84 रन की पारी की बदौलत 7 विकेट के नुकसान पर 171 रन बनाए थे। वर्मा के अलावा कोई खिलाड़ी प्रभावी पारी नहीं खेल सका। इसके जवाब में विराट कोहली और फाफ डुप्लेसिस ने पहली विकेट के लिए 148 रन की साझेदारी की और टीम की जीत सुनिश्चित करने में अहम योगदान दिया। डुप्लेसिस भले ही आउट हो गए लेकिन कोहली टिके रहे और 2 विकेट के नुकसान के साथ 16.2 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर ग्लेन मैक्सवेल के साथ नाबाद वापस लौटे।

नटराजन से काफी प्रभावित हूं : लारा

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच ब्रायन लारा तेज गेंदबाज टी नटराजन से 'बहुत प्रभावित' हैं जिन्होंने चोट से वापसी पर इंडियन प्रीमियर लीग के सत्र में टीम के शुरुआती मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ तीन ओवर में 23 रन देकर दो विकेट लिये। राजस्थान की टीम ने इस मैच को 72 रन से जीता। नटराजन ने अपने शुरुआती ओवर में ही 17 रन लुटा दिये थे। उन्होंने इसके बाद शानदार वापसी की और अगले दो ओवर में सिर्फ छह रन खर्च किये।

लारा ने कहा, '' वह चोट से वापस आ रहा है और वह अब अनुभवी गेंदबाज है। अपने शुरुआती ओवर के बाद उसने जिस तरह से वापसी की काफी प्रभावशाली था। लारा ने कहा, '' हमारे गेंदबाजों ने आखिरी आठ ओवरों में अच्छा प्रदर्शन किया। एक समय ऐसा लग रहा था कि हम 225 से अधिक रन के लक्ष्य का पीछा करेंगे लेकिन हम उन्हें (राजस्थान रॉयल्स) 200 रन के आसपास रोकने में सफल रहे। इस मैच में कुछ सकारात्मक चीजें थीं। खिलाड़ी यहां से सुधार कर सकते हैं।''

लारा ने इस मौके पर पहले गेंदबाजी करने के फैसले का बचाव किया। उन्होंने कहा, ''हमने अभ्यास पिचों पर अभ्यास के बाद यह महसूस किया था कि यहां गेंद को अधिक उछाल मिल रहा है। यह सत्र का पहला मुकाबला था।'' उन्होंने कहा,'' टीम शिविर में हमने महसूस किया था कि हमारी गेंदबाजी हमारा मजबूत पक्ष है , ऐसे में हम उन पर शुरू में दबाव बनाना चाहते थे।''

डेनियल मेदवेदेव बनें मियामी ओपन चैम्पियन, जीता साल का चौथा एटीपी खिताब

मियामी गार्डन्स। डेनियल मेदवेदेव ने मियामी ओपन टेनिस के फाइनल में इटली यानिक सिनर को 7-5, 6-3 से हराकर साल का

अपना चौथा एटीपी खिताब जीता। मेदवेदेव की सिनर के खिलाफ छह मैचों में यह छठी जीत है और इस साल अब तक खेले गये अपने 25 मुकाबलों में से उन्होंने 24 में जीत दर्ज की है। इस दौरान उनकी एकमात्र हार का सामना इंडियन वेल्स फाइनल में शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी कार्लोस अलकराज के खिलाफ करना पड़ा था। सिनर ने एक घंटे 34 मिनट तक चले मुकाबले के शुरुआती सेट में मेदवेदेव को कड़ी टक्कर दी लेकिन रूस के खिलाड़ी ने दूसरे सेट में उन्हें कोई मौका नहीं दिया। इस साल का पांचवां खिताबी मुकाबला खेलने वाले मेदवेदेव इससे पहले रॉटरडैम, दोहा और दुबई में चैम्पियन बनें है। महिला युगल के फाइनल में कोको गॉफ और जेसिका पेगुला की जोड़ी ने लेयला फर्नांडीज और टेलर टाउनसेंड को 7-6, 6-2 से हराया।

'खेलो इण्डिया' में पदक विजेता तनु व अनुष्का साइकिलिस्ट का हुआ सम्मान

लखनऊ। खेलो इंडिया महिला रोड साइकिलिंग लीग में लखनऊ की तनु भारती ने दो गोल्ड पदक और अनुष्का ने कांस्य पदक जीतकर शहर को गौरवान्वित किया। उनके वापस लौटने पर दोनों साइकिलिस्टों का स्वागत किया गया। जानकारी हो कि बीती 25-26 मार्च को कोलकाता में साइकिलिंग लीग आयोजित की गई थी।

शहर का नाम रोशन करने इन वाली साइकिलिस्ट तनु और अनुष्का को 'राजधानी राइडर्स' की ओर से रविवार को गोमती नगर, जनेश्वर मिश्र पार्क में राष्ट्रीय ध्वज के निकट सम्मानित किया गया। साथ ही कोच संतोष जायसवाल का सम्मान भी हुआ। साइकिलिंग कोच सन्तोष ने बताया कि दोनों खिलाड़ियों ने विषम परिस्थितियों में अपनी ट्रेनिंग पूरी की। गोल्ड पदक विजेता तनु का कहना है वो देश

के लिए और खेलना चाहती है। अनुष्का ने भी ऐसी ही इच्छा जताई। सेवानिवृत्त पीसीएस अधिकारी पीसी सिंह ने लखनऊ से खेलो इंडिया में प्रतिभाग करने वाली अन्य खिलाड़ियों में कुसुम राठौर, सोनाली जयसवाल, तनुपाल, नंदिनी जयसवाल, स्मृति राठौर, प्रीति चौहान को भी माला पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर भारतीय हॉकी टीम की पूर्व खिलाड़ी पूजा निषाद को भी लखनऊ महिला टीम का कोच बनाए जाने पर सम्मानित किया गया। पूजा की इस उपलब्धि से खेल जगत में हर्ष का माहौल है।

कोको गॉफ-जेसिका पेगुला की जोड़ी ने जीता मियामी ओपन के महिला युगल का खिताब

मियामी। कोको गॉफ और जेसिका पेगुला ने मियामी ओपन के महिला युगल का खिताब जीत लिया है। खेले गए खिताबी मुकाबले में गॉफ-पेगुला की जोड़ी ने लेयला फर्नांडीज और टेलर टाउनसेंड की जोड़ी को 7-6 (6), 6-2 से हराया और 1991 के बाद यह खिताब जीतने वाली पहली अमेरिकी महिला युगल जोड़ी बन गई।

वर्ष 1991 में मैरी जो फर्नांडीज और ज़िना गैरीसन की अमेरिकन जोड़ी ने आखिरी बार मियामी ओपन के महिला युगल वर्ग का खिताब जीता था। गॉफ और पेगुला ने इस साल अब दो चैंपियनशिप जीती है ली हैं, जिनमें पहला फरवरी में दोहा ओपन और अब मियामी ओपन है।

खिताब जीतने के बाद गॉफ ने कहा, यह टूर्नामेंट उन टूर्नामेंटों में से एक है, जिसे आप देखते हुए बड़े हुए हैं, और मुझे लगता है कि

यह हमारे द्वारा जीते गए अन्य खिताबों से अधिक विशेष है। हमारे परिवार के सामने यह खिताब जीतना, बहुत मायने रखता है। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि हम वह परिणाम प्राप्त करने में सक्षम थे, जो हम चाहते थे। मुझे लगता है कि हमारा क्वार्टर, फाइनल कठिन था, हालांकि हमने वहां जीत दर्ज की। ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं लगता कि हम इससे बेहतर मैच खेल सकते थे।

राजस्थान रॉयल्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को 72 रन के बड़े अंतर से हराया

हैदराबाद। हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 के चौथे मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को 72 रन के बड़े अंतर से हरा दिया। मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान रॉयल ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 203 रन बनाए। इसके जवाब में हैदराबाद की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 131 रन ही बना सकी। राजस्थान रॉयल के 204 रनों के बड़े लक्ष्य पीछा करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद की शुरुआत अच्छी नहीं रहीं। पहले ही ओवर में सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और राहुल त्रिपाठी बिना खाता खेले आउट हो गए। तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने दोनों बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। इसके बाद मयंक अग्रवाल और हैरी ब्रूक ने पारी को संभाला और पावरप्ले में 30 रन बनाए। 34 रन के स्कोर पर हैरी ब्रूक भी पवेलियन लौट गए। ब्रूक ने 21 गेंद में 13 रन बनाए। हैदराबाद का चौथा विकेट वाशिंगटन सुंदर के रूप में गिरा। वाशिंगटन ने एक रन बनाया। सनराइजर्स को 48 के स्कोर पर ग्लेन फिलिप्स के रूप में पांचवां झटका लगा। फिलिप्स केवल 8 रन बना सके। हैदराबाद का छठा विकेट मंयक अग्रवाल के रूप में गिरा। मंयक ने 27 रन बनाए। इसके बाद भी हैदराबाद के विकेट गिरते रहे। 81 रन के स्कोर पर हैदराबाद का सातवां और 95 रन पर आठवां विकेट गिरा। आदिल राशिद 18 रन और भुवनेश्वर कुमार 6 रन बनाकर आउट हो गए। 20 ओवर तक हैदराबाद की टीम 8 विकेट पर 131 रन ही बना सकी। राजस्थान की तरफ से यजुवेंद्र चहल ने 4, ट्रेंट बोल्ट ने 2, जेसन होल्डर और रविचंद्रन अश्विन ने 1-1 विकेट लिया। इससे पहले मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान रॉयल ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 203 रन बनाए। राजस्थान रॉयल को सलामी बल्लेबाज जोस बटलर और यशस्वी जायसवाल ने ताबड़तोड़ शुरुआत की। दोनों ने मिलकर शुरुआती चार ओवर में ही टीम का स्कोर 50 के पार पहुंचा दिया। बटलर ने तेज बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक जड़ दिया। 85 रन के स्कोर पर राजस्थान रॉयल्स का पहला विकेट गिरा। बटलर 22 गेंद में 54 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में सात चौके और तीन छक्के लगाए। राजस्थान की टीम ने पावरप्ले में एक विकेट खोकर 85 रन बनाए। इसके बाद कप्तान संजू सैमसन ने यशस्वी के साथ टीम के स्कोर बोर्ड को आगे बढ़ाया। यशस्वी जायसवाल ने भी अपना अर्धशतक पूरा कर लिया। हालांकि यशस्वी भी 37 गेंद में 54 रन बनाकर आउट हो गए। 14 ओवर तक राजस्थान टीम का स्कोर 2 विकेट पर 150 रन के पार हो गया।

लक्ष्य सेन ने 'रिचार्ज' होने के लिए 'ब्रेक' लिया

नई दिल्ली। खराब फॉर्म में चल रहे राष्टमंडल खेलों के चैम्पियन लक्ष्य सेन ने कहा कि उन्होंने अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर ध्यान लगाने के लिये छोटा सा ब्रेक लिया है। अल्मोड़ा का 21 साल का खिलाड़ी इस सत्र में कई टूर्नामेंट में लगातार शुरू में ही बाहर हो रहा है। सेन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा, ''मैं ब्रेक करने की अहमियत पर बात करना चाहता हूं। मुझे महसूस हुआ है कि कभी कभार अपने लिए सबसे अच्छी चीज यही होती है कि आप 'रिचार्ज' (तरोताजा होने के लिए) एक कदम पीछे लो। इसलिये मैंने सामान्य दिनचर्या से खुद पर ध्यान लगाने के लिए थोड़ा ब्रेक लिया है। '' उन्होंने कहा, ''मैं काफी समय अपने प्रियजनों के साथ बिता रहा हूं, अपने पसंदीदा शौक में समय बिता रहा हूं और अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रख रहा हूं। ''

शुरुआती मैचों में लगातार हार मायूस करने वाला: शेन बांड

बेंगलुरु। मुंबई इंडियंस के गेंदबाजी कोच शेन बांड ने स्वीकार किया है कि पूर्व चैंपियन का इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का सत्र का शुरुआती मैच जीतने में लगातार नाकाम रहना बेहद निराशाजनक है। पांच बार की चैंपियन टीम को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर से आठ विकेट की हार का सामना करना पड़ा। यह लगातार 11वां मौका है जब मुंबई ने सत्र का पहला मैच गंवा दिया। टीम ने आखिरी बार सत्र के शुरुआती मुकाबले को 2012 में चेन्नई सुपर किंग्स को हराकर जीता था।

बांड ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, '' टीम के साथ यह मेरा नौवां सत्र है और हमने अब तक अपना पहला मैच नहीं जीता है। इसलिए मायूसी हो रही है। यहां मुकाबला काफी कठिन है और हार से ज्यादा जीत होना हमेशा बेहतर होता है। यह सत्र शुरू करने का परेशान करने

वाला तरीका है।''

बांड ने तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की सराहना की, जिन्होंने इशान किशन का विकेट झटकते हुए चार ओवर में सिर्फ 21 रन दिये। उन्होंने कहा, ''सिराज आज हमारे खिलाफ बहुत अच्छा था। सिराज के पहले तीन ओवरों (सिर्फ पांच रन) में कोई मौका नहीं दिया। उसने अपने बाउंसरों का बेहतरीन इस्तेमाल किया। उसने हमें कुछ शॉट खेलने के लिए मजबूर किया और इससे विकेट हासिल किए।''

बांड ने कहा, ''हम बल्लेबाजी के लिए आसान विकेट पर पावर प्ले में सिर्फ 29 रन बना सके लेकिन हमारा बल्लेबाजी क्रम लंबा है। हमने कोशिश की लेकिन 170 तक ही पहुंच सके। उसका शुरुआती स्पेल शानदार था।'' मुंबई के लिए तिलक वर्मा के अलावा कोई भी बल्लेबाज प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहा। वर्मा ने 46 गेंदों में नाबाद 84 रन बनाए, जिससे टीम को 7 विकेट पर 171 रनों का सम्मानजनक स्कोर बनाने में मदद मिली। बांड ने कहा, ''तिलक ने शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन उन्हें ज्यादा मदद नहीं मिली। मुझे लगता है कि छोटे मैदान पर 170 का स्कोर काफी नहीं था। मुझे लगता है कि हमें 190 या उससे अधिक का स्कोर खड़ा करना चाहिए था।'' बांड ने कहा, ''हमने अच्छी गेंदबाजी नहीं की। हम जानते थे कि सलामी जोड़ी की साझेदारी कितनी महत्वपूर्ण होने वाली है। हम इसे तोड़ नहीं पाए और दबाव बनाने में भी नाकाम रहे।''

फाफ डु प्लेसिस कप्तानी पारी खेल बनें मैन ऑफ द मैच, बोले - मैं अपने युवा दिनों को जीने के लिए कड़ी मेहनत करता हूं

बैंगलोर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 में खेले गए मुकाबले में रॉयल्स चैलेंजर्स बैंगलोर ने मुंबई इंडियंस को 8 विकेट से मात दी। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम, बेंगलुरू में खेले गए इस मैच में मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 172 रनों का लक्ष्य रखा, जिसके जवाब में बैंगलोर ने यह लक्ष्य 16.2 ओवर में हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने 43 गेंदों में 73 रनों की पारी खेली, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार ने नवाजा गया। इस पुरस्कार को पाने के बाद कप्तान ने कहा कि वह कड़ी मेहनत करते हैं ताकि वह अपने युवा दिनों को जी सके। फाफ डु प्लेसिस ने कहा, 'जिस तरह से हमने शुरुआत की, उससे अच्छा लगा। पावरप्ले में मोहम्मद सिराज ने अच्छी टोन

सेट की। पूरी पारी के दौरान हमारे गेंदबाज योजनाओं पर टिके रहे। जाहिर तौर पर पिछले 2-3 ओवरों में कुछ सुधार करने की जरूरत है और दूसरी पारी में, यदि आप जानना चाहते हैं कि किसी लक्ष्य का पीछा कैसे करना है, तो आप ऐसा ही करते हैं। यदि आप गेंद से गति के साथ खेलते हैं तो खेलना बहुत आसान नहीं था और स्पिनरों के लिए इसमें कुछ था, लेकिन एक बल्लेबाज के रूप में यदि आप अच्छी स्थिति में होते तो आप रन बना सकते थे। मैं यहां घरेलू खिलाड़ी के तौर पर पहली बार खेल रहा हूं। यह खास जगह है, खासकर विराट कोहली के साथ बल्लेबाजी करने के लिए। ऊर्जा उनमें से उछलती है। आपको युवाओं के साथ रहना होगा, मैं अभी भी कड़ी मेहनत करता हूं ताकि मैं युवा दिनों में घूमने में सक्षम हो सकूं। इससे जो आत्मविश्वास मिलता है, हम सभी आत्मविश्वास से भरे खिलाड़ी हैं। एक टीम के तौर पर यह शुरुआत हमारे लिए बहुत बड़ी होगी।' मैच की बात करें तो लक्ष्य का पीछा करते हुए कप्तान प्लेसिस के अलावा विराट कोहली ने 49 गेंदों में 82 रनों की पारी खेली। दिनेश कार्तिक बिना खाता खोले प्वेलियन लौटे, जबकि ग्लेन मैक्सवेल ने नाबाद 12 रनों की पारी खेली। इससे पहले मुंबई ने पहले बल्लेबाज करते हुए 20 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 171 रन बनाए। मुंबई की ओर से तिलक वर्मा ने 46 गेंदों में 84 रन बनाए। मुंबई कि शुरूआत सही नहीं रही कप्तान रोहित शर्मा 1 और ईशान किशन 10 रन बनाकर चलते बने। इसके बाद तीसरे नंबर पर कैमरून ग्रीन 5 रन बनाकर अपना विकेट खो बैठे। टी20 अंतर्राष्ट्रीय में नंबर-1 बल्लेलबाज सूर्यकुमार यादव भी कुछ खास नहीं कर पाए और 15 रन बनाकर अपना विकेट खो बैठे। इसके बाद नेहल वढेरा ने तिलक वर्मा का साथ देने कि कोशिश की, लेकिन वह ज्यादा देर टिक नहीं पाए और 13 गेंदों में 21 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद टिम डेविड 4 और ऋतिक शौकिन 5 रन बनाकर प्वेलियन लौटे। अंत में अर्शद खान ने भी नाबाद 15 रनों की पारी खेली। मुंबई की ओर से कर्ण शर्मा ने सर्वश्रेष्ठ 2 विकेट चटकाए।

ऐतिहासिक नए एमओयू के जरिए बड़ी कमाई करने को तैयार ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटर

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स एसोसिएशन के बीच हुए नए पांच साल के समझौता ज्ञापन (एमओयू) के अनुसार ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटरों के वेतन में 53 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की भारी वृद्धि होगी। नए एमओयू के अनुसार, ऑस्ट्रेलियाई पुरुष और महिला पेशेवर क्रिकेटर अगले पांच वर्षों में अनुमानित 624 ऑस्ट्रेलियन मिलियन डॉलर साझा करेंगे, जो मौजूदा समझौते से 26 प्रतिशत अधिक है। एक प्रमुख कदम के रूप में, देश की महिला क्रिकेटरों को अब 133 ऑस्ट्रेलियन मिलियन डॉलर पूल से भुगतान किया जाएगा, जो पहले 80 मिलियन ऑस्ट्रेलियन डॉलर था। इसके अलावा न्यूनतम और औसत महिला अनुबंध में 25त की वृद्धि होगी, अनुबंधों की संख्या भी 15 से बढ़ाकर 18 कर दी गई है। इस प्रकार, एक टॉप-फ्लाइट केंद्रीय रूप से अनुबंधित महिला ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर की वार्षिक कमाई अगले पांच वर्षों के लिए औसतन 800,000 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर को पार कर सकती है, जिसमें उनका डब्ल्यूबीबीएल अनुबंध, मैच फीस और मार्केटिंग भुगतान शामिल हैं, साथ ही भारत की महिला प्रीमियर लीग और यूके की द हंड्रेड की कमाई को मिलाकर शीर्ष ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटर की कमाई 1 मिलियन को पार कर जाएगी। घरेलू स्तर पर, न्यूनतम डब्ल्यूबीबीएल रिटेनर में तत्काल 30 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। औसत डब्ल्यूबीबीएल रिटेनर अब 26,900 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर से लगभग दोगुना होकर 54,200 डॉलर हो जाएगा। प्रति राज्य दो अतिरिक्त अनुबंधों की पेशकश की जा रही है, आगे बढ़ने पर राष्ट्रीय और घरेलू पक्षों में 130 और डब्ल्यूबीबीएल में अन्य 120 अनुबंध उपलब्ध होंगे। कुल मिलाकर, यह सौदा देश की महिला क्रिकेटरों को ऑस्ट्रेलियाई खेल में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली महिला एथलीट बना देगा। सीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी निक हॉकले ने कहा, यह एमओयू महिला क्रिकेट के उत्थान में एक और बड़े कदम का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम और डब्ल्यूबीबीएल के प्रेस्क रोस्टर मॉडल के परिश्रमिक में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो महिला भागीदारी में पर्याप्त वृद्धि कर रहे हैं। उन्होंने कहा, साथ ही, हमने यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता को पहचाना है कि बदलते वैश्विक क्रिकेट परिदृश्य में बीबीएल अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बना रहे और हमें विश्वास है कि यह समझौता ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटरों के दिल में अपनी जगह बनाए रखने में मदद करेगा।

ACTION INDIA

एक्शन इंडिया

Front Page - 2

एक्शन इंडिया ▸ देहरादून ▸ 04 अप्रैल 2023 ▸ पृष्ठ 08 ▸ आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

'राकेश भारद्वाज चौक' पर 'आदर्श रसोई' का एक वर्ष पूरा होने पर वार्षिक बैठक आयोजित

बैठक में वित्त वर्ष 2022-23 का लेखा-जोखा किया गया प्रस्तुत, वित्त वर्ष 2023-24 के आगामी रोडमैप पर हुई मंत्रणा, आदर्श रसोई के वार्षिकोत्सव को लेकर हुआ विचार- विमर्श

वित्त वर्ष 23-24 का रोडमैप तैयार

- पिछले 01 वर्ष में "राकेश भारद्वाज चौक" पर आदर्श रसोई ने हर बढ़ते हफ़्ते के साथ नित नए आयाम स्थापित करती गई
- आदर्श रसोई की नींव परम श्रद्धेय राकेश भारद्वाज जी और उनके परम मित्र सुरेंद्र चोपड़ा जी ने संयुक्त रूप से रखीं थी
- यादों भरा रहा आदर्श रसोई का सफर
- आदर्श रसोई को सबका मिला सहयोग
- 1 वर्ष पूर्ण पर सहयोगियों का होगा सम्मान

नई दिल्ली/टीम एक्शन इंडिया
उत्तरी दिल्ली की प्रसिद्ध सामाजिक संस्था 'आदर्श रसोई' का एक वर्ष पूर्ण होने पर विशेष बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में वित्त वर्ष 2022-23 का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया तो वहीं वित्त वर्ष 2023-24 के रोडमैप पर गहन रूप से मंत्रणा और विचार विमर्श किया गया। बैठक में सभी पदाधिकारियों ने अपने- अपने विचार रखे और "राकेश भारद्वाज चौक" पर आयोजन होने वाले इस विशेष रविवारीय कार्यक्रम को और भव्य रूप देने पर चर्चा हुई।

सफलतापूर्वक पूरा हुआ आदर्श रसोई का एक वर्ष का कार्यकाल

आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र की प्रसिद्ध समाजसेवी संस्था 'आदर्श रसोई' पिछले एक वर्ष से "राकेश भारद्वाज चौक" पर विशेष रविवारीय कार्यक्रम आयोजित कर रही है। इसमें मात्र 10 रूपए में जरूरतमंदों को लजीज व्यंजनों से भरी थाली परोसी जाती है। पिछले एक वर्ष में "राकेश भारद्वाज चौक" पर आदर्श रसोई ने हर बढ़ते हफ़्ते के साथ नित नए आयाम स्थापित किए हैं।

2019 में रखीं गई थी आदर्श रसोई की नींव

वर्ष 2019 में निःस्वार्थ रूप से कार्य करने वाली समाजसेवी संस्था आदर्श रसोई की नींव परम श्रद्धेय राकेश भारद्वाज जी और उनके परम मित्र सुरेंद्र चोपड़ा जी ने संयुक्त रूप से रखी थी। शुरूआती दिनों से ही आदर्श रसोई की धीरे-धीरे चर्चा होने लगी थी। लेकिन इसी बीच कोरोना महामारी ने दस्तक दे दी जिस कारण आदर्श रसोई का कार्य बाधित हो गया। कोरोनाकाल में परम श्रद्धेय राकेश भारद्वाज जी भी कोरोना की चपेट में आ गए और उनका परलोकगमन हो गया।

"राकेश भारद्वाज चौक" पर नए फ्लेवर-क्लवेर के साथ पुनः शुरू हुई आदर्श रसोई

10 अप्रैल 2022 को मजलिस पार्क के सबसे व्यस्ततम चौक को तत्कालीन सिविल लाइन जोन के चेयरमैन नवीन त्यागी की अगुवाई में और क्षेत्रीय सांसद डॉ हर्षवर्धन की उपस्थिति में श्रद्धेय राकेश भारद्वाज जी के नाम से चौक का नामकरण किया गया। इसके बाद परम श्रद्धेय राकेश भारद्वाज जी के विचारों, सिद्धांतों पर चलते हुए राकेश भारद्वाज जी के मित्र सुरेंद्र चोपड़ा और मोहन गर्ग सहित अन्य साथियों ने राकेश भारद्वाज जी के सुपुत्र रवि भारद्वाज को साथ लेकर पुनः रसोई की शुरूआत की। 10 अप्रैल 2022 को दोबारा शुरू हुई आदर्श रसोई का विशेष रविवारीय कार्यक्रम अनवरत जारी है।

उपलब्धियों भरा रहा आदर्श रसोई का एक वर्षीय कार्यकाल

इस एक वर्ष के दौरान राकेश भारद्वाज चौक पर आदर्श रसोई ने अपने नाम कई उपलब्धियां की। क्षेत्र के सामाजिक, राजनैतिक और प्रबुद्ध लोगों ने दिल खोलकर आदर्श रसोई के कार्यक्रम में जहां शिरकत की वहीं आदर्श रसोई के माध्यम से अन्न दान भी किया। साथ ही चौक पर मौजूद दुकानदारों, मजदूरों और स्थानीय लोगों ने भी दिल खोलकर आदर्श रसोई का साथ दिया।

हर कोई बनना चाहता है अन्नदान का भागीदार

हर कोई आदर्श रसोई के माध्यम से समाजसेवा का अमृतपान करना चाहता था।

देखते ही देखते आदर्श रसोई के सदस्यों की संख्या में बढ़ोतरी होती चली गई। सभी ने दिल खोलकर आदर्श रसोई में तन-मन और धन से सहयोग किया। आज आदर्श रसोई ने भी एक ऐसा मुकाम हासिल कर लिया है जो दूसरी संस्थाओं के लिए भी नजीर पेश करती है।

खुशनुमा यादों भरा रहा आदर्श रसोई का सफर

आदर्श रसोई के विशेष रविवारीय कार्यक्रम की हर ओर चर्चा होती है। हर किसी के जुबां पर आदर्श रसोई का नाम है। किस तरह यह संस्था कार्य करती है और भव्य रूप से कार्यक्रम का आयोजन करती है। आदर्श रसोई के रविवारीय कार्यक्रम की बात करें तो पिछले एक साल में क्षेत्र के प्रबुद्ध लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और अन्न दान में अपना भरपूर योगदान दिया।

इन महानुभावों ने बतौर मुख्यअतिथि की शिरकत

आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक पवन शर्मा, पूर्व विधायक व मंत्री मंगत राम सिंघल, पूर्व विधायक महेंद्र नागपाल, पूर्व विधायक नीलदमन खत्री, निगम में नेता सदन मुकेश गोयल, निगम पार्षद नेहा अग्रवाल, निगम पार्षद सुमन शर्मा, निगम पार्षद चित्रा विद्यार्थी, निगम पार्षद जलज चौधरी, निगम पार्षद अजीत यादव, पैरामेडिकल बोर्ड के चैयरमैन डॉ. प्रदीप अग्रवाल, पूर्व सिविल लाइन जोन के चेयरमैन नवीन त्यागी, पूर्व निगम पार्षद नीलम बुद्धिराजा, पूर्व निगम प्रत्याशी अनुभव धीर, पूर्व जिलाध्यक्ष हरी किशन जिंदल, पूर्व ज़िलाध्यक्ष रोशन कंसल, पूर्व ज़िलाध्यक्ष अजय शर्मा, दिल्ली पुलिस के एसीपी करन सिंह राणा, पूर्व पार्षद गरिमा गुप्ता, आजादपुर मंडी से जुड़े व्यापारी नेता राजू कोहली, अशोक कौशिक, दिल्ली एग्रीकल्चर मार्केटिंग बोर्ड के चुने हुए मेम्बर महेंद्र सनपाल पप्पा, प्रसिद्ध समाजसेवी प्रकाश चंद्र अग्रवाल, आदर्श नगर वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान सुरेश गुप्ता, प्रसिद्ध सामाजिक परिवार राम करण कंसल परिवार, सतपाल यादव परिवार, सुलभ गुप्ता परिवार, रोहित गोयल परिवार, केवल पार्क रामलीला समिति सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के समाजसेवी परिवारों और आदर्श रसोई के सदस्यों ने रसोई के माध्यम से अन्न दान किया। वहीं, बच्चों के साथ-साथ बड़े-बुजुर्गों के जन्मदिन और परिजनों की पुण्यतिथियों पर भी विभिन्न परिवारों ने आदर्श रसोई के माध्यम से अन्नदान किया

राकेश भारद्वाज चौक पर हर रविवार होता है एक उत्सव सा माहौल

"राकेश भारद्वाज चौक" पर आदर्श रसोई के विशेष रविवारीय कार्यक्रम के लिए सभी का सहयोग मिलता है। राकेश भारद्वाज चौक पर व्यपारियों, निवासियों के साथ-साथ मजदूरों का भी पूर्ण सहयोग रहा। बिना इनके सहयोग के आदर्श रसोई आज इस मुकाम पर नहीं पहुंच पाती। सहयोग के लिए आदर्श रसोई के सभी पदाधिकारी सबका आभार प्रकट करते हैं।

वार्षिक बैठक में आगामी रविवारीय कार्यक्रमों को लेकर हुई मंत्रणा

आदर्श रसोई के एक वर्ष पूर्ण होने पर बैठक में पदाधिकारियों ने गहन मंत्रणा की और सभी ने अपने-अपने विचार रखे। सभी ने एकमत होकर कहा कि आदर्श रसोई के एक वर्ष पूर्ण होने पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाना चाहिए। तय किया गया कि वार्षिक कार्यक्रम को सहयोग देने वाले लोगों और समाजसेवियों को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही पदाधिकारियों का भी सम्मान होगा। बैठक में वित्त वर्ष 2023-24 में आदर्श रसोई के कार्यक्रमों को और भी भव्य रूप से आयोजन किया जाएगा, जिसका रोडमैप तैयार किया गया।

सम्मान राशि के रूप में ही लिया जाते हैं 10/- रुपये

हफ्ते दर हफ़्ते लजीज व्यंजनों से भरी विशेष थाली पेश की जाती है। आदर्श रसोई के विशेष रविवारीय कार्यक्रम में हर सप्ताह विभिन्न व्यंजनों से भरी थाली 10 रूपए में परोसी जाती है। वहीं, पानी की निःशुल्क व्यवस्था की जाती है।

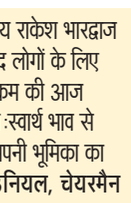

आदर्श रसोई ने पिछले 48 रविवार से परम श्रद्धेय राकेश भारद्वाज जी के दिखाएं हुए मार्ग पर चलते हुए जरूरतमंद लोगों के लिए भोजन का प्रबंध कर रही हैं। इस तरह के कार्यक्रम की आज समाज को जरूरत है और हम सभी को ऐसे नि:स्वार्थ भाव से कार्य करने वाली संस्थाओं के साथ समाज में अपनी भूमिका का निर्वाह करना चाहिए। **-रामलाल उनियल, चेयरमैन**

आदर्श रसोई क्षेत्र में बेहतरीन कार्य कर रही है। आदर्श रसोई नींव इस उद्देश्य से रखा गया था कि जरूरतमंदों की सेवा करनी है और मुझे लगता कि कहीं न कहीं आदर्श रसोई की पूरी टीम इस उद्देश्य में सफल साबित हुई है। अभी लंबा सफर तय करना है। आदर्श रसोई की पूरी टीम को जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है। **-सुरेंद्र चोपड़ा, प्रधान**

आदर्श रसोई ने हमेशा ही जरूरतमंदों के लिए कार्य किया और राकेश भारद्वाज जी द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलते हुए रसोई का आयोजन निरंतर रूप से हो रहा है। आदर्श रसोई की पूरी टीम नि:स्वार्थ भाव से सेवाभाव के इस कार्यक्रम में अपना योगदान दे रही है एक वर्ष पूर्ण होने पर पूरी टीम का दिल की गहराईयों से अभिनंदन। **-पम्मी मल्होत्रा, महासचिव**

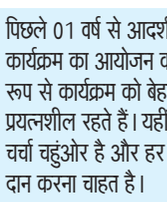

पिछले 01 वर्ष से आदर्श रसोई हर रविवार नि:स्वार्थ रूप से कार्यक्रम का आयोजन करती आ रही है। पदाधिकारी नि:स्वार्थ रूप से कार्यक्रम को बेहतरीन और भव्य बनाने के लिए दिन-रात प्रयत्नशील रहते हैं। यहीं कारण है कि आज आदर्श रसोई की चर्चा चहुंओर है और हर कोई आदर्श रसोई के माध्यम से अन्न दान करना चाहत है। **– मोहन गर्ग, आदर्श रसोई चेयरमैन**

आदर्श रसोई की नींव परम श्रद्धेय और मेरे पिता राकेश भारद्वाज जी और सुरेन्द्र चोपड़ा जी ने रखी थी। जिसका लक्ष्य था जरूरतमंदों की नि:स्वार्थ भाव से भरपेट भोजन कराना। सप्ताह दर सप्ताह यह संस्था अपने लक्ष्य को निर्धारित कर कार्य कर रही है। संस्था का हर एक व्यक्ति अपना योगदान दे रहा। **– रवि भारद्वाज, संयोजक**

आदर्श रसोई का नि:स्वार्थ भाव से समाजसेवा में योगदान देने इसे दूसरे संस्थाओं से अलग बनाता है। पिछले 48 हफ्तों से बेहतरीन रविवारीय कार्यक्रम का आयोजन करती आई है और यह अनवरत रूप से जारी रहेगा। सभी अपने विचार आदान-प्रदान करते हैं। इस सफल कार्यक्रम के लिए पूरी टीम का अभिनदंन। **-गुदयाल छाबड़ा, संरक्षक**